MPPSC Foundation Batch 2025

By Shubham Gupta sir

अध्याय 1 :- भारत की सामान्य जानकारी ||

1) भारत की भौगोलिक स्थिति ||

2) भारतीय राज्य व संघ शासित प्रदेश ||

3) भारत की सीमाएं तथा पड़ोसी देश ||

4) अन्य तथ्य ||

1.1) भारत की भौगोलिक स्थिति ||

- A) अवस्थिति ||
- B) भारत का नामकरण ||
- C) भारत का क्षेत्रफल तथा जनसंख्या ||
- D) भारत का अक्षांशीय तथा देशांतरीय विस्तार ||

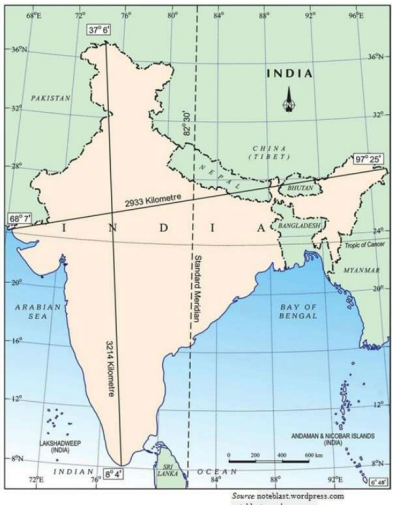

A) अवस्थिति ||

1) गोलार्ध ||

- अक्षांश || :- उत्तरी गोलार्ध ||
- देशांतर || :- पूर्वी गोलार्ध ||

2) महाद्वीप || :- एशिया ||

⇩

दक्षिण एशिया ||

⇩

भारतीय उपमहाद्वीप ||

⇩

भारत पाकिस्तान नेपाल भूटान बांग्लादेश

3) भारत भूमध्य रेखा से **876 किलोमीटर** दूर है ||

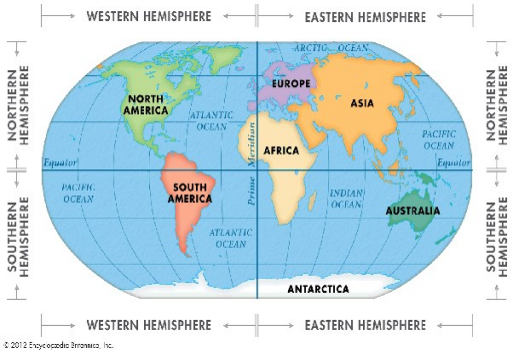

WORLD MAP
ARCTIC OCEAN
Greenland (Denmark)
Baffin Bay
Beaufort Sea
Alaska (USA)
Canada
Hudson Bay
Labrador Sea
Gulf of Alaska
Arctic Circle
NORTH PACIFIC OCEAN
United States of America
NORTH ATLANTIC OCEAN
Tropic of Cancer
Equator
Tropic of Capricorn
Mexico
Cuba
Haiti
The Bahamas
Dominican Rep.
Bermuda (U.K.)
Hawaii Islands (U.S.)
Gulf of Mexico
Caribbean Sea
El Salvador
Nicaragua
Costa Rica
Guatemala
Honduras
Belize
Jamaica
Colombia
Venezuela
Guyana
Suriname
French Guiana (Fr.)
Ecuador
Galapagos (Ecuador)
Peru
Brazil
Bolivia
Paraguay
Chile
Argentina
Uruguay
Easter (Chile)
French Polynesia
Kiribati
SOUTH PACIFIC OCEAN
Falkland Islands (U.K.)
South Georgia
SOUTH ATLANTIC OCEAN
Trindade (Brazil)
Ascension (U.K.)
St Helena (U.K.)
Prime Meridian
Iceland
Jan Mayen (Norway)
Norwegian Sea
Svalbard (Norway)
Faroe Islands (Denmark)
Norway
Sweden
Finland
United Kingdom
North Sea
Ireland
Denmark
Estonia
Latvia
Lithuania
Belarus
Poland
Germany
France
Ukraine
Romania
Bulgaria
Spain
Portugal
Andorra
Monaco
San Marino
Vatican City
Italy
Greece
Malta
Turkey
Mediterranean Sea
Morocco
Canary Islands (Spain)
Algeria
Tunisia
Libya
Egypt
Western Sahara
Mauritania
Mali
Niger
Chad
Sudan
Senegal
Cabo Verde
The Gambia
Sierra Leone
Liberia
Côte d'Ivoire
Burkina Faso
Nigeria
Central African Rep.
South Sudan
Ethiopia
Eritrea
Djibouti
Somalia
Uganda
Kenya
Gabon
Congo
São Tomé and Príncipe
Dem. Rep. of the Congo
Burundi
Tanzania
Seychelles
Comoros
Angola
Zambia
Mayotte (Fr.)
Madagascar
Mauritius
Reunion (Fr.)
Namibia
Botswana
Zimbabwe
Mozambique
eSwatini
Lesotho
South Africa
Black Sea
Caspian Sea
Aral Sea
Georgia
Azerbaijan
Armenia
Kazakhstan
Uzbekistan
Turkmenistan
Kyrgyzstan
Tajikistan
Afghanistan
Pakistan
Iran
Iraq
Israel
Jordan
Kuwait
Bahrain
Qatar
U.A.E.
Saudi Arabia
Oman
Yemen
Red Sea
Arabian Sea
India
Nepal
Bhutan
Bangladesh
Bay of Bengal
Sri Lanka
Maldives
Andaman & Nicobar Is. (India)
Myanmar (Burma)
Thailand
Laos
Vietnam
Malaysia
Singapore
Brunei
Indonesia
Sumatra
Java
Timor-Leste
Philippines
Philippine Sea
Taiwan
Russia
Barents Sea
Kara Sea
Novaya Zemlya
Franz Josef Land
October Revolution
Laptev Sea
Kotelny
East Siberian Sea
Wrangel
Bering Sea
Sea of Okhotsk
Mongolia
China
North Korea
South Korea
Sea of Japan (East Sea)
Japan
East China Sea
PACIFIC OCEAN
Northern Mariana Islands (U.S.)
Guam (U.S.)
Palau
Federated States of Micronesia
Marshall Islands
Nauru
Papua New Guinea
Solomon Islands
Tuvalu
Wallis and Futuna (Fr.)
Samoa
Fiji
Vanuatu
Coral Sea
New Caledonia (Fr.)
Tonga
INDIAN OCEAN
Cocos Is. (Aus.)
Christmas (Aus.)
Australia
Great Australian Bight
Tasman Sea
Tasmania
New Zealand
North Island
South Island
1. Netherlands
2. Belgium
3. Luxembourg
4. Switzerland
5. Slovenia
6. Croatia
10. Austria
11. Hungary
12. Serbia
13. Moldova
14. North Macedonia
15. Albania
20. Ghana
21. Togo
22. Benin
23. Cameroon
24. Equatorial Guinea
29. Liechtenstein
30. Montenegro
31. Kosovo
32. Palestinian Territories
33. St. Vincent & the Grenadines

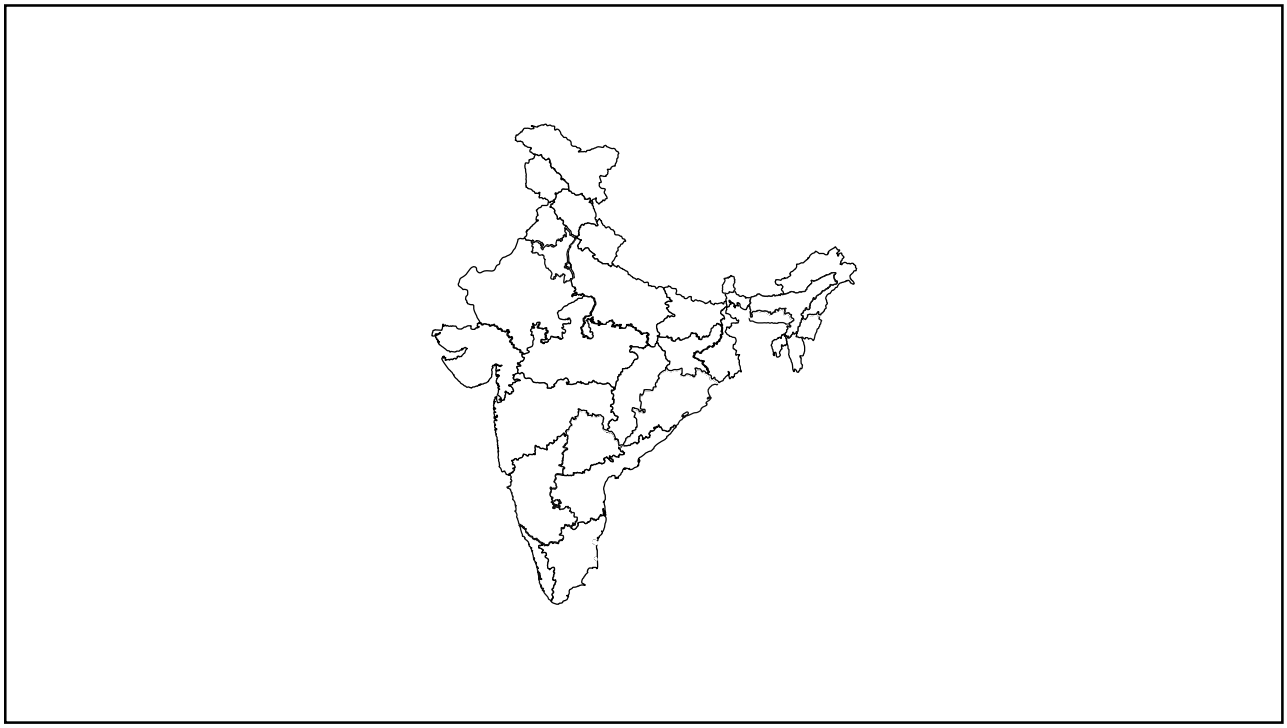

B) भारत का नामकरण ||

- **औपचारिक नाम || :-**
  1) **भारत || :- पुराण**
     - ऋग्वेद के अनुसार भरत नामक कबीले से भारत नाम बना
     - वायु पुराण के अनुसार राजा दुष्यंत के पुत्र भरत के नाम से भारत नाम बना
  2) **इंडिया || :- यूनानी ||**

अन्य नामों

1) ब्रह्मावर्त या आर्यावर्त	आर्यों की निवास स्थली
2) जम्बूद्वीप	एशिया
3) हिंदुस्तान	ईरानियों ने सिंधु को हिंदू कहा तथा इस क्षेत्र को हिंदुस्तान
4) भारत वर्ष	वैदिक साहित्य
5) Tianzhu	चीनी यात्री
6) नाभि वर्ष	

जम्बूद्वीप	एशिया
क्रौंचद्वीप	उत्तरी अमेरिका
प्लक्षद्वीप	दक्षिण अमेरिका
शाक्द्वीप	यूरोप
पुष्करद्वीप	अफ्रीका
शाल्मलीद्वीप	ऑस्ट्रेलिया
कुशद्वीप	इंडोनेशिया, फिलीपींस

1. **MELUHA**
   Appears in ancient texts of Mesopotamia to refer to the Indus Valley Civilization
2. **BHARAT/ BHARATVARSHA**
   Appears in Puranas as the land between the 'sea in the south and the abode of snow in the north'.
3. **ARYAVARTA**
   Appears in the Manusmriti as the land occupied by the Indo-Aryans
4. **JAMBUDVIPA**
   Appears in Vedic texts and is still used in a few Southeast Asian countries to describe subcontinent.
5. **HIND/HINDUSTAN**
   First used by Persians to refer to the land across river Sindhu.
6. **INDIA**
   First used by the Greeks, who transliterated 'Hind' as 'Indus'

Date	Name	Source
c. 486 BC	Hidush	Naksh-i-Rustam
c. 440 BC	India	Herodotus
c. 300 BC	India/Indikē	Megasthenes
c. 140 AD	Indoi, Indou	Arrian
c. 590 AD	Hind	Istakhri
c. 650 AD	Five Indies	Xuanzang
c. 944 AD	Hind, Sind	Masudi
c.1020 AD	Hind	Al-Birūnī
1205 AD	Hind	Hasan Nizāmī
1298 AD	India the Greater, India the Minor, Middle India	Marco Polo
c. 1328 AD	India	Friar Jordanus
1404 AD	India Minor	Clavijo

C) भारत का क्षेत्रफल तथा जनसंख्या ||

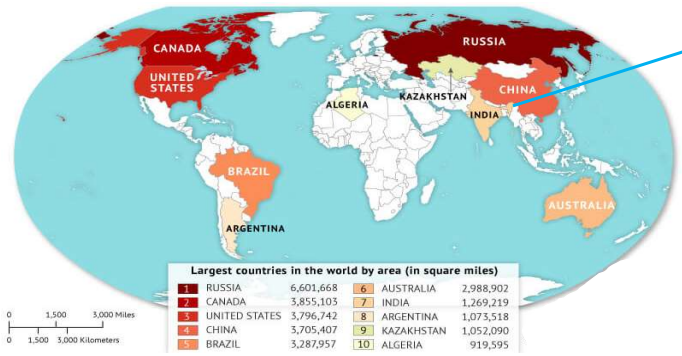

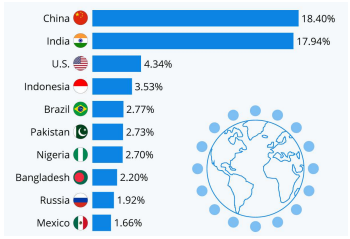

विश्व की जनसंख्या लगभग 7.7 बिलियन है, और 2030 में इसके बढ़कर लगभग 8.5 बिलियन होने की उम्मीद है

क्षेत्रफल:- 32,87,263 किमी2

विश्व के 2.4% - 7th Largest

17.5% जनसंख्या → 1210.19 मिलियन → दूसरा सबसे बड़ा

18% पशुधन → विशालतम

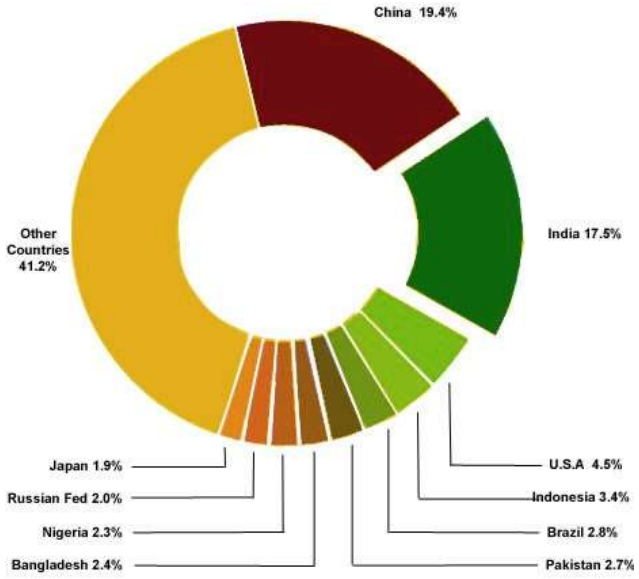

D) भारत का अक्षांशीय तथा देशांतरीय विस्तार ||

पृथ्वी
- अधिक बड़ा आकार
- जलवायु की विविधता
- स्थिति

बेहम :- पृथ्वी का प्रतिरूप (ग्लोब)

वैज्ञानिकों ने ग्लोब पर काल्पनिक रेखाएं खींची

समानांतर रेखा :- अक्षांश

लंबवत रेखा :- देशांतर

भारत एक **चतुष्कोणीय** आकृति वाला देश है ||

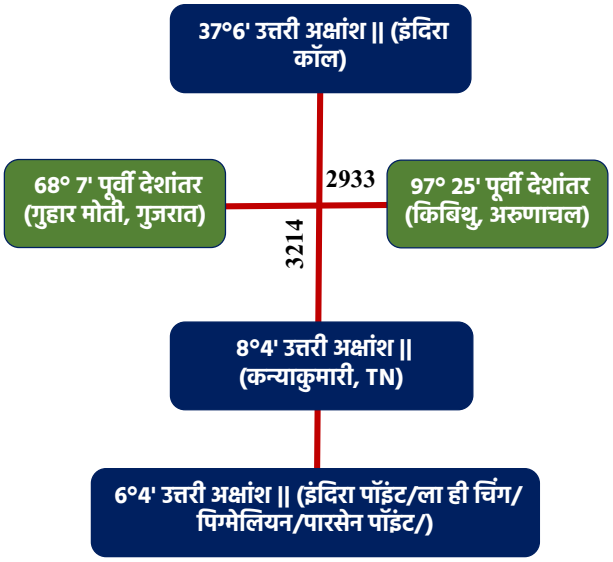

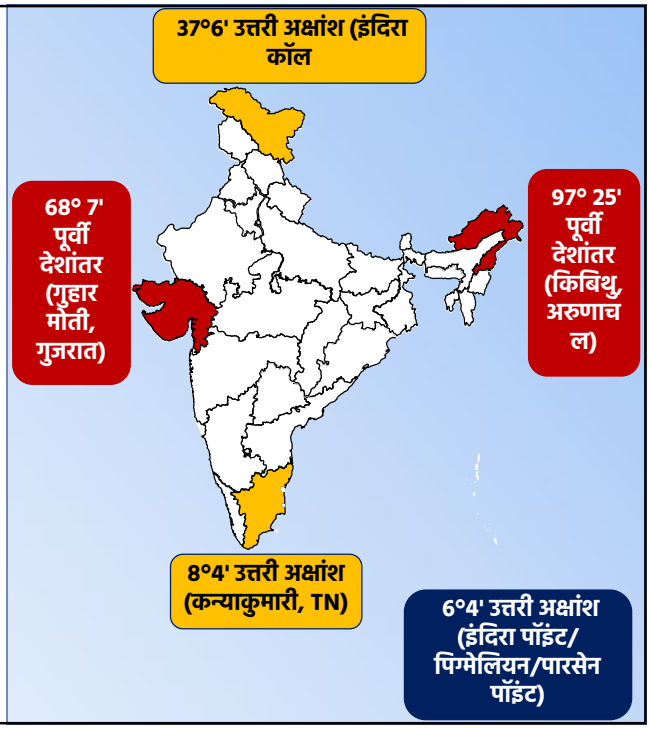

D.1) भारत का अक्षांशीय विस्तार ||

1) **मुख्य भूमि :-** 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक
2) **द्वीप सहित || Including Islands :-** 6°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक
3) अक्षांश रेखाओं के द्वारा किसी क्षेत्र की जलवायु का निर्धारण होता है ||
4) **भारत की जलवायु :-** उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु ||
5) भारत के **8 राज्यों** से कर्क रेखा गुजरती है
   - ‡ गुजरात, राजस्थान (Shortest), मध्यप्रदेश (Longest), छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम
   - ‡ **GURBA –** गांधीनगर, उज्जैन, रांची (On Cancer), भोपाल, अगरतला

24 डिग्री उत्तरी अक्षांश -अधिकतम भारतीय राज्यों से गुजरने वाली अक्षांश

गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मणिपुर और मिजोरम (10)

D.2) भारत का देशांतरीय विस्तार ||

1) 68° 7' पूर्वी देशांतर से 97° 25' पूर्वी देशांतर तक
2) देशांतर रेखाओं - **समय का निर्धारण** मानक समय रेखा)
3) **भारत का देशांतरीय अंतर :-** 29° (लगभग 2 घण्टे)
4) **भारत की मानक समय रेखा**
   - 82 1/2° पूर्वी देशांतर (प्रयागराज के नैनी)
   - ग्रीनविच माध्य समय से **5 घंटे 30** मिनट आगे
   - **पांच राज्यों** :- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओड़ीसा व आंध्र प्रदेश
   - भारतीय मानक समय की स्थापना 1 सितंबर 1947 को हुई, जिस वक्त आईएसटी की स्थापना हुई थी उस वक्त सेंट्रल ऑब्जर्वेटरी चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) में थी, जिसको बाद में प्रयागराज जिले में शंकरगढ़ किले में स्थापित किया गया
   - स्वतंत्रता से पहले, भारत तीन प्रमुख समय क्षेत्रों का पालन करता था - बॉम्बे, कलकत्ता और मद्रास

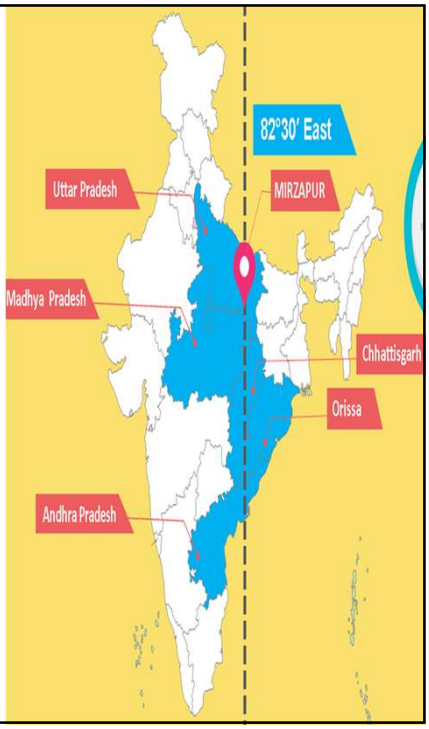

D.3) भारत की भौगोलिक स्थिति के लाभ

भारत क्षेत्रफल के आधार पर दुनिया का सातवां जबकि जनसंख्या के आधार पर सबसे बड़ा देश है जिसे निम्न बिंदु रणनीतिक महत्व प्रदान करते हैं -

1) भारत-दक्षिण एशिया के मध्य में स्थित है जो पूर्वी एवं पश्चिमी एशिया के मध्य व्यापार को बढ़ावा देने में सहायक है
2) भारत की तट रेखा हिंद महासागर में स्थित सबसे बड़ी तट रेखा है जो प्रमाणित करता है कि हिंद महासागर का नाम भारत के नाम पर क्यों रखा गया
   - भारत हिंद महासागर क्षेत्र के सभी देशों को नेतृत्व प्रदान करता है
   - हिंद महासागर क्षेत्र में इंडो पेसिफिक सहयोग बढ़ाकर चीन की विस्तारवादी नीतियों को रोकने में सहायक
3) भारत एक प्रायद्वीप है जो भारत को पूर्व और पश्चिम में विस्तृत तट रेखा प्रदान करता है जिससे व्यापार के अवसर बढ़ते हैं
4) भारत में लगभग सभी प्रकार के स्थलीय स्वरूप पाए जाते हैं जैसे- हिमाच्छादित पर्वत, सदाबहार वन, शीत और उष्ण मरुस्थल,प्रवाल भित्तियां जो भारत को एक विशेष पर्यटन केंद्र बनाते हैं

D.4) हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति का लाभ

हिंद महासागर प्रशांत और अटलांटिक महासागरों के बाद तीसरा सबसे बड़ा महासागर है और यह एकमात्र महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। हिंद महासागर में भारत के केंद्रीय स्थान के कारण हिंद महासागर का नाम भारत के नाम से रखा गया है। हिन्द महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति से इसे निम्न प्रकार लाभ प्राप्त हुआ है-

1) भारत हिंद महासागर के मध्य में स्थित है इसलिए यह पश्चिम में यूरोप और पूर्वी एशिया को जोड़ता है।
2) हिंद महासागर में भारत की केंद्रीय स्थिति ने भारत को पश्चिमी तट से पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप के साथ और पूर्वी तट से दक्षिण पूर्व और पूर्वी एशिया के साथ निकट संपर्क स्थापित करने में मदद की हैं ।
3) यूरोप और पूर्वी एशिया का जलीय व्यापार भारत से होकर जाती हैं।
4) हिंद महासागर में किसी अन्य देश की उतनी तटरेखा नहीं है जितनी भारत के पास (7516.6 किमी) है।
5) भारत की ऐसी रणनीतिक स्थिति के कारण और यह हिंद महासागर में कई छोटे देशों के लिए एक सुरक्षा प्रदाता है।

D.5) कश्मीर और कन्याकुमारी में दिन की अवधि ||

1) जब हम भूमध्य रेखा (शून्य डिग्री अक्षांश) की ओर जाते हैं तो दिन और रात के अंतर की अवधि कम हो जाती है और भूमध्य रेखा (शून्य डिग्री अक्षांश) से दूर जाने पर दिन और रात के अंतर की अवधि बढ़ जाती है। अधिकांश वर्ष, भूमध्य रेखा पर दिन और रात के 12 घंटे होते हैं। इसका कारण यह है कि भूमध्य रेखा पर सूर्य की किरणें वर्ष की एक बड़ी अवधि के लिए 90 डिग्री का कोण बनाती हैं।
2) कन्याकुमारी (8°4'N) कश्मीर (37°N) की तुलना में भूमध्य रेखा के बहुत करीब है, यही कारण है कि कन्याकुमारी में दिन और रात की अवधि के बीच का अंतर शायद ही महसूस किया जाता है, लेकिन कश्मीर में दिन और रात की अवधि के बीच का अंतर को हम महसूस करते है।

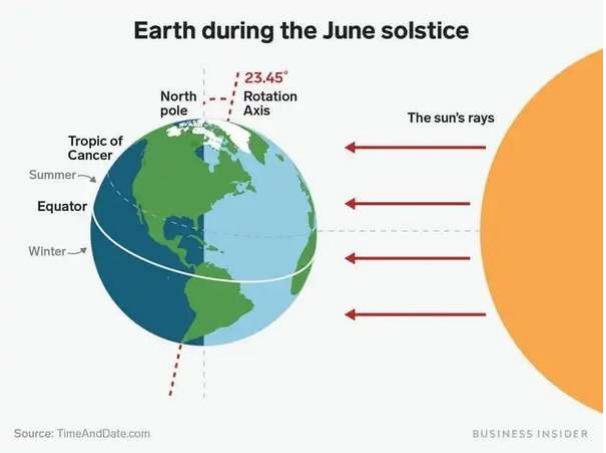

D.6) 82°30' पूर्व देशांतर को भारत की मानक याम्योत्तर क्यों माना गया है?

1) प्रत्येक देशांतर के लिए अलग समय सारिणी तैयार करना कठिन होता है, इसलिए सुविधा के लिए हर एक देश के पास मानक याम्योत्तर होता है। इसलिए हम कह सकते है कि देश के समय क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए देश के मानक मध्याह्न रेखा का चयन किया जाता है।
2) देशों का मानक मध्याह्न रेखा काफी हद तक देश के देशांतरीय विस्तार पर निर्भर करता है। जिस देश का देशांतरीय विस्तार अधिक होता है, उसमें एक से अधिक समय क्षेत्र या मानक मध्याह्न रेखा होती है। जैसे अमेरिका और रूस का देशांतरीय विस्तार अधिक होने के कारण 11-11 समय ज़ोन बनाए गए हैं
3) भारत की मुख्य भूमि का देशांतरीय विस्तार 68°7'E और 97°25'E के बीच है जो लगभग 30° है। इसीलिए, गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक, दो घंटे (30*4=120 मिनट=2 घंटे) का समय अंतराल है।
4) फिर भी , भारत में केवल एक समय क्षेत्र है क्योकि कई समय क्षेत्रों से अन्य समस्याएं उत्पन्न होती है , इस के आलावा , 7°30' (30 मिनट का समय) देशांतर के गुणकों में मानक मध्याह्न रेखा का चयन करने के लिए दुनिया के देशों के बीच एक अंतरराष्ट्रीय समझ भी है, इसीलिए भारत के मानक मध्याह्न रेखा को 82°30'E (मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश से गुजरते हुए) चुना गया है, यह लगभग 68 °7'पूर्व और 97°25'पूर्व के मध्य में है । और यह भारत के लगभग बीचो बीच गुजरती है ।

D.7) स्थानीय समय ||

1) जब किसी स्थान पर सूर्य आकाश में सबसे ऊँचा होता है और उस स्थान के देशांतर के ठीक ऊपर होता है, तो वहां का समय दोपहर 12:00 बजे का माना जाता है।
2) वहां की सभी घड़ियों में 12:00 बजा दिए जाते हैं और ये घड़ियां वहां का स्थानीय समय बताती हैं। एक देशांतर पर स्थित सभी स्थानों का स्थानीय समय एकसमान होता है, परन्तु जो स्थान विभिन्न देशांतरों पर स्थित है, उनका स्थानीय समय अलग-अलग होता है।
3) स्थानीय समय में यह परिवर्तन 4 मिनिट प्रति डिग्री अथवा एक घंटा प्रति 15° देशांतर की दर से होता है

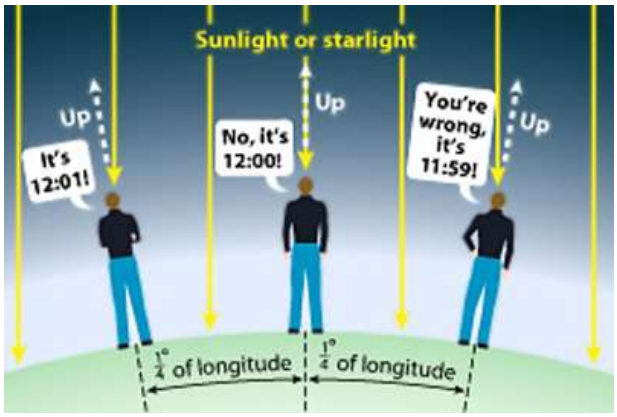

D.8) डेलाइट सेविंग टाइम

1) डेलाइट सेविंग टाइम (डीएसटी) गर्मियों के दौरान घड़ियों को मानक समय से एक घंटा आगे और शरद ऋतु के दौरान एक घंटा पीछे सेट करने की प्रथा है। अप्रैल 1916 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और ऑस्ट्रिया ने कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था के उपयोग को कम करने हेतु DST की शुरुआत की। कई देशों ने धीरे-धीरे इस प्रक्रिया को अपना लिया।
2) **उद्देश्य :** दिन के प्राकृतिक उजाले या अवधि का बेहतर उपयोग .
3) **भारत :** भारत डेलाइट सेविंग टाइम का पालन नहीं करता है क्योंकि भूमध्य रेखा के पास स्थित देशों में मौसम के बीच दिन के घंटों में बदलाव का ज़्यादा अनुभव नहीं होता है।
4) यूरोपीय संघ में शामिल 28 सदस्य देशों में घड़ी को मार्च महीने के आखिरी रविवार को आगे बढ़ाया जाता है, जबकि अक्तूबर के आखिरी रविवार को पीछे किया जाता है।
5) **डेलाइट सेविंग टाइम के नुकसान**
   - कई लोगों ने तर्क दिया है कि अधिकांश ऊर्जा खपत करने वाले उपकरण दिन के सभी घंटों में चलते हैं, जिससे इस तरह के कदम का प्रभाव कम हो जाता है।
   - अध्ययनों से यह भी पता चला है कि डेलाइट सेविंग टाइम का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
   - सर्कैडियन रिदम पर प्रतिकूल प्रभाव - US पॉपुलर साइंस पत्रिका के एक अध्ययन के अनुसार, संक्रमण के छह दिनों के लिये अमेरिका में एक घंटे की नींद में कमी घातक दुर्घटना दर को 5.4% से 7.6% तक बढ़ा देती है।

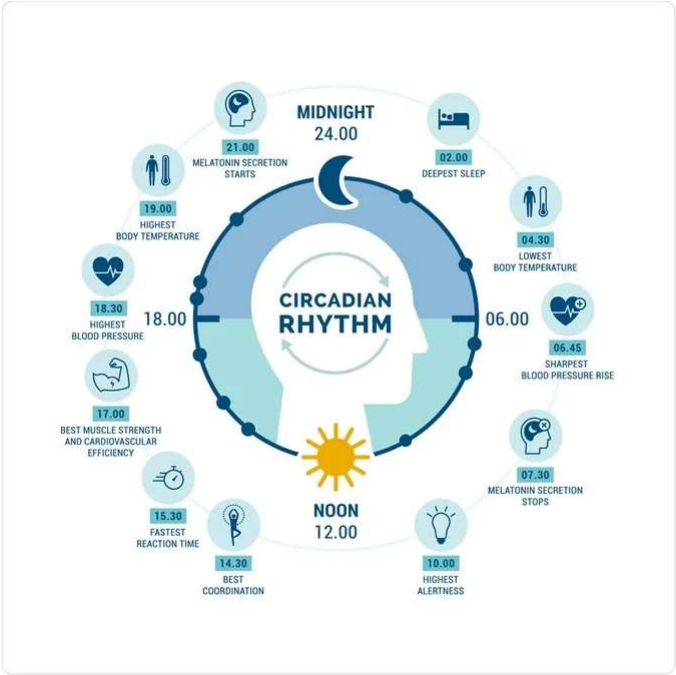

सर्कैडियन रिदम 24 घंटे का चक्र है जो हमारे शरीर को बताता है कि कब सोना है, उठना है और खाना है—कई शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है।

D.9) चाय बागान समय

1) पूर्वोत्तर राज्यों में सूरज आधिकारिक कामकाजी घंटों से पहले उगता और अस्त होता है।
2) इससे निपटने के लिए असम के चाय बागान 'चाईबागान समय' का पालन कर रहे हैं जो भारतीय मानक समय (आईएसटी) से एक घंटा आगे है।

D.10) अलग टाइम जोन की मांग

भारत ने 1 सितंबर 1947 को 82.5 डिग्री के पूर्वी देशांतर को मानक समय रेखा के रूप में अपनाया। इससे पहले भारत में तीन समय जॉन (कोलकाता, बॉम्बे तथा मद्रास) थे। परिणाम स्वरुप 1947 के बाद भारत के पूर्वोत्तर राज्य तथा अंडमान एवं निकोबार के द्वारा निम्नलिखित कारणों से अलग मानक समय रेखा की मांग की जा रही है :-

1) भारत का विस्तृत देशांतरीय विस्तार :- भारत की पूर्व से पश्चिम तक चौड़ाई 2933 किलोमीटर तथा देशांतरीय विस्तार में लगभग 30 डिग्री या 2 घंटे का अंतर होना।
2) उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव
3) प्राकृतिक प्रकाश के घंटे की कमी के कारण ऊर्जा की खपत में बढ़ोतरी
4) असम में औपनिवेशिक काल से ही चाय बागान टाइम जोन का प्रयोग हो रहा है
5) प्रकृति के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने में बाधक

दो समय जोन के पक्ष में तर्क :- हाल ही में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा किए गए एक अध्ययन के पश्चात निम्नलिखित करणों से दो समय जोन की अवधारणा का समर्थन किया है :-

1) संपूर्ण भारत के लिए 82.5 डिग्री देशांतर को मानक समय रखा जाए जबकि पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक अलग समय जोन बनाया जाए
2) उत्पादकता में बढ़ोतरी और ऊर्जा की खपत में कमी (लगभग 2.7 अरब यूनिट बिजली की बचत)

दो समय जोन के विपक्ष में तर्क :- 2001 में भारत सरकार ने विज्ञान और तकनीकी मंत्रालय के अंतर्गत चार सदस्यों की कमेटी का गठन किया जिसने निम्नलिखित करणों से दो समय जोन की अवधारणा को नकार दिया :-

1) ट्रेन, एयरलाइंस जैसे परिवहन साधनों की समय सारणी में जटिलता की बढ़ोतरी तथा दुर्घटना की संभावना
2) केंद्र-राज्य तथा अंतर राज्य समन्वय में समस्याएं
3) सरकार के अनुसार भारत का देशांतरीय विस्तार इतना अधिक भी नहीं है कि उसके लिए एक और समय ज़ोन की आवश्यकता पड़े
4) भारत की साक्षरता तथा शिक्षित दर में कमी

चूंकि अलग समय ज़ोन की मांग स्वतंत्रता के बाद से ही होती रही है अतः सरकार को एक विशेषज्ञ समिति का गठन करना चाहिए तथा सभी हितधारकों के विचार को ध्यान में रखकर इस मुद्दे का समाधान किया जा सकता है।

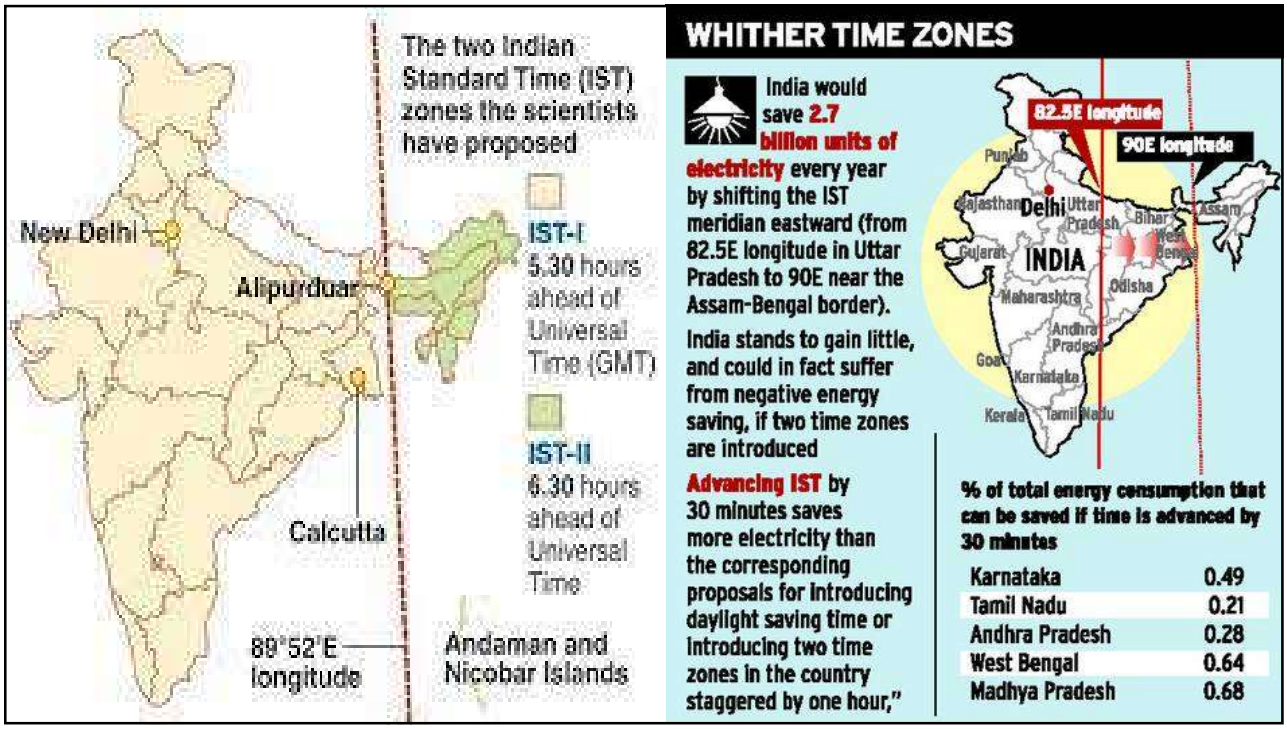

1.2) भारतीय राज्य व संघ शासित प्रदेश ||

1) **28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश**
2) **अक्टूबर 31, 2019 :-** केंद्र शासित प्रदेश: जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
3) **नवंबर 27, 2019 :-** दो केंद्र शासित प्रदेशों का विलय (दादरा और नगर हवेली + दमन और दीव)
4) **सबसे बड़े राज्य (क्षेत्रफल) –** राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश
5) **सबसे छोटे राज्य (क्षेत्रफल) –** गोवा, सिक्किम, त्रिपुरा, नागालैंड
6) **केंद्र शासित प्रदेश (क्षेत्रफल) -** सबसे बड़ा लद्दाख, सबसे छोटा लक्ष्यदीप
7) **केंद्र शासित प्रदेश (जनसंख्या) -** सबसे बड़ा दिल्ली, सबसे छोटा लक्षद्वीप
8) **अप्रैल 2022 तक :- 779 जिले (640 in 2011)**
   - **सबसे बड़ा जिला (क्षेत्रफल) :-** कच्छ (गुजरात), लेह (लद्दाख), जैसलमेर (राजस्थान), बाड़मेर (राजस्थान) – **कलेजा बड़ा**
   - **सबसे छोटा जिला (क्षेत्रफल) :-** माहे (पुडुचेरी)
   - **जनसंख्या में सबसे बड़ा जिला :-** थाने, महाराष्ट्र

Andaman and Nicobar Islands	Port Blair
Chandigarh	Chandigarh
Dadra and Nagar Haveli and Daman & Diu	Daman
National Capital Territory of Delhi	Delhi
Jammu & Kashmir	Summer – Srinagar Winter – Jammu
Ladakh	Leh
Lakshadweep	Kavaratti
Puducherry	Puducherry

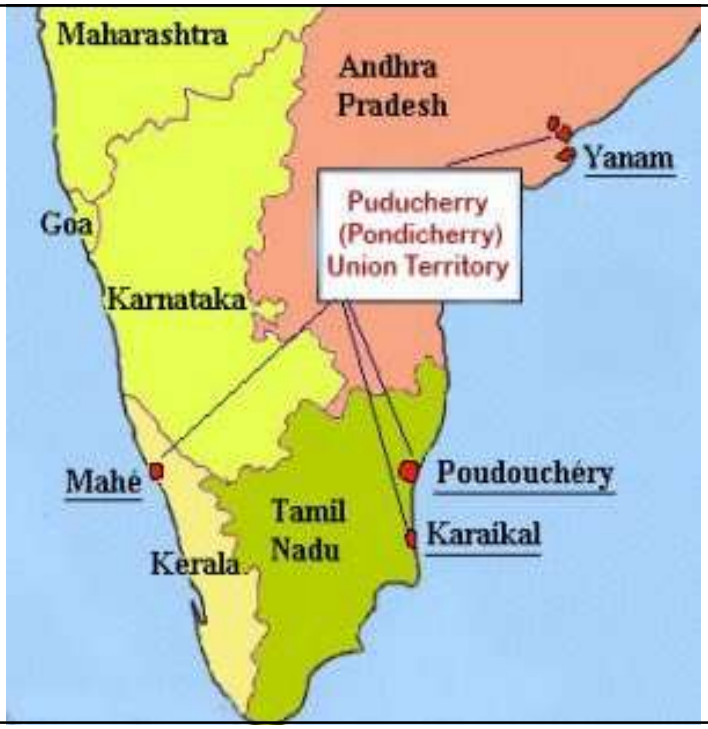

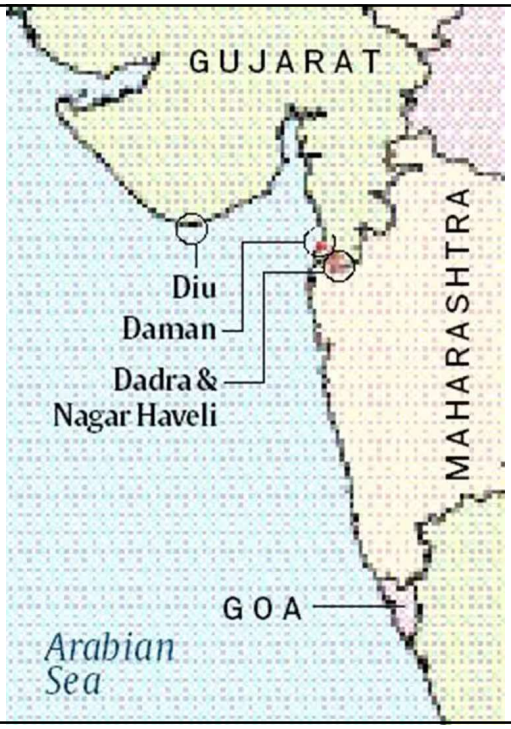

Gandhinagar
Gujarat
Bhopal
Madhya Pradesh
Daman and Diu
Diu (DD)
Daman
Dadra and Nagar Haveli
Silvassa
Chhattisg
Raipur
Mumbai
Maharashtra
Telangana
Hyderabad

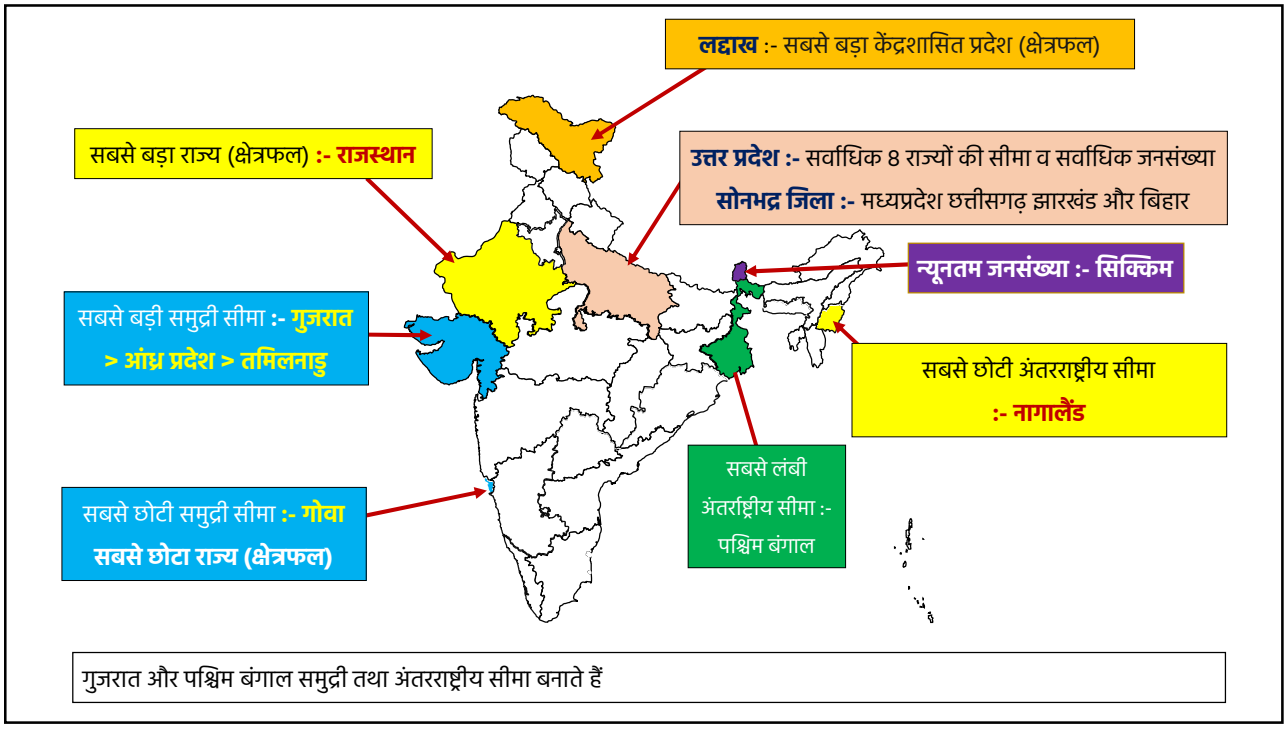
लद्दाख :- सबसे बड़ा केंद्रशासित प्रदेश (क्षेत्रफल)
सबसे बड़ा राज्य (क्षेत्रफल) :- राजस्थान
उत्तर प्रदेश :- सर्वाधिक 8 राज्यों की सीमा व सर्वाधिक जनसंख्या
सोनभद्र जिला :- मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ झारखंड और बिहार
न्यूनतम जनसंख्या :- सिक्किम
सबसे बड़ी समुद्री सीमा :- गुजरात > आंध्र प्रदेश > तमिलनाडु
सबसे छोटी अंतरराष्ट्रीय सीमा :- नागालैंड
सबसे छोटी समुद्री सीमा :- गोवा
सबसे छोटा राज्य (क्षेत्रफल)
सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा :- पश्चिम बंगाल
गुजरात और पश्चिम बंगाल समुद्री तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाते हैं

STATEMENT IN REPLY TO PARTS (a) TO (e) OF THE LOK SABHA STARRED QUESTION NO.498 FOR 30.04.2013.

(a) The total length of coastline along each of the coastal State/UT in the country is as follows:

Sl. No.	State / UT	Length of coastline (in km)
(i)	Gujarat	1214.7
(ii)	Maharashtra	652.6
(iii)	Goa, Daman and Diu	160.5
(iv)	Karnataka	280.0
(v)	Kerala	569.7
(vi)	Tamil Nadu	906.9
(vii)	Pudducherry	30.6
(viii)	Andhra Pradesh	973.7
(ix)	Odisha	476.4
(x)	West Bengal	157.5
(xi)	Lakshadweep Islands	132.0
(xii)	Andaman & Nicobar Islands	1962.0
	Total Coastline	7516.6

1.3) भारत की सीमाएं तथा पड़ोसी देश ||

स्थलीय || - 15200

भारत के 16 राज्य - 7 देशों के साथ

1) बांग्लादेश (4096)
2) चीन (3488)
3) पाकिस्तान (3323)
4) नेपाल (1751)
5) म्यांमार (1643)
6) भूटान (699)
7) अफगानिस्तान (106)

5 भू आवेष्ठित राज्य ||

1) मध्य प्रदेश
2) छत्तीसगढ़
3) झारखंड
4) तेलंगाना व
5) हरियाणा

जलीय || – 7516.6 किमी

मुख्य || - 6100

1) गुजरात (1214 KM)
2) आंध्रप्रदेश
3) तमिलनाडु
4) महाराष्ट्र
5) केरल
6) उड़ीसा
7) कर्नाटक
8) पश्चिम बंगाल
9) गोवा (107 KM)

द्वीप सहित - 7516.6

- अंडमान और निकोबार द्वीप
- लक्षद्वीप

नोट-

अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के प्रकार

भौगोलिक सीमा ||

जूरा पर्वत :- फ्रांस-स्विट्जरलैंड

पर्वत : फ्रांस और स्पेन

अराकानयोमा :- इंडिया-म्यांमार

अक्षांशीय सीमा ||

38° :- उत्तर व दक्षिण कोरिया

49° :- अमेरिका व कनाडा

अध्यारोपित सीमा ||

भारत और पाकिस्तान

भारत और चीन

A) भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा ||

स्थलीय ||– 7 देश

1. बांग्लादेश (4096 किमी)
2. चीन (3488 किमी)
3. **पाकिस्तान (3323 किमी)**
4. नेपाल (1751 किमी)
5. **म्यांमार (1643 किमी)**
6. भूटान (699 किमी)
7. अफगानिस्तान (106 किमी)

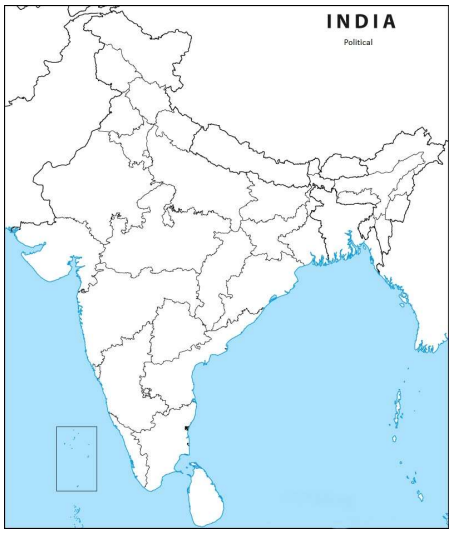

समीप जलीय || - 6

1. श्रीलंका
2. मालदीव
3. इंडोनेशिया
4. बांग्लादेश
5. पाकिस्तान
6. म्यांमार

भारत के 16 राज्य व 2 केंद्र शासित प्रदेशों की सीमाएं अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़ती हैं

बांग्लादेश (4096 - BSF)	▪ **5 राज्य** :- पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम	▪ **त्रिपुरा -बांग्लादेश के मध्य जीरो रेखा**
चीन (3488 – ITBP & SFF)	▪ **4 राज्य :-** हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश ▪ **1 केंद्र** शासित प्रदेश :- लद्दाख	▪ **मैक मोहन रेखा** ▪ **लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC)**
पाकिस्तान (3323- BSF)	▪ **3 राज्य :-** पंजाब राजस्थान एवं गुजरात ▪ **2 केंद्र** शासित प्रदेश :- जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख	▪ **रेडक्लिफ रेखा** ▪ **लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC)**
नेपाल (1751 - SSB)	▪ **5 राज्य :-** उत्तराखंड, UP, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम	
म्यांमार (1643- AR)	▪ **4 राज्य :-** अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम	▪ **प्राकृतिक सीमा**
भूटान (699 - SSB)	▪ **4 राज्य :-** सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल	
अफगानिस्तान (106)	▪ **1 केंद्र शासित प्रदेश** :- लद्दाख	▪ **डूरंड रेखा**

International Border	Guarded by
Indo - Pakistan Border	Border Security Force (BSF)
Indo - Bangladesh	Border Security Force (BSF)
Indo - China Border	Indo - Tibetan Border Police (ITBP)
Indo - Nepal Border	Sashastra Seema Bal (SSB)
Indo - Bhutan Border	Sashastra Seema Bal (SSB)
Indo - Myanmar Border	Assam Rifles (AR)

B) भारत की स्थलीय अंतरराष्ट्रीय सीमा ||

B.1) भारत-बांग्लादेश सीमा ||

1) भारत की सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा - **4096 किमी**

2) **5 राज्य :-** पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम व असम
   - त्रिपुरा, तीन ओर से बांग्लादेश / अंतरराष्ट्रीय सीमा से घिरा है
   - त्रिपुरा व बांग्लादेश की सीमा को ZERO LINE कहते हैं

3) भारत और बांग्लादेश के मध्य **प्रमुख मुद्दे** || :-

I. सुंदरवन
II. तिपाईमुख बांध
III. तीस्ता नदी
IV. तीन बीघा कॉरिडोर
V. फरक्का बैराज
VI. अवैध प्रवासन
VII. ट्रेन ||
VIII. भूमि बॉर्डर समझौता

B.1.1) सुंदरवन डेल्टा ||

1. गंगा-ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा निर्मित **विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा** ||

2. **सुंदरवन**
   - पूर्वी भाग || - बांग्लादेश
   - पश्चिमी भाग || - भारत
     - आद्रभूमि ||
     - 27 वीं रामसर स्थल
     - मैंग्रोव वनस्पति ||

3. **निर्माण ||**
   - गंगा - पदमा
   - ब्रह्मपुत्र - जमुना

   मेघना नदी ||

   ⇩

   बंगाल की खाड़ी ||

B.1.2) तीस्ता नदी ||

1) **उद्गम || Source –** सिक्किम
2) **मुहाना || Mouth -**
3) **1983** में तीस्ता नदी पर भारत - बंग्लादेश समझौता

तीस्ता के पानी पर अधिकार
- भारत - 39%
- बांग्लादेश - 36%
- नदी - 25%

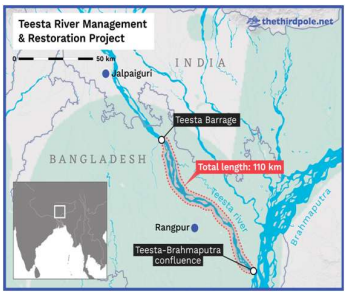

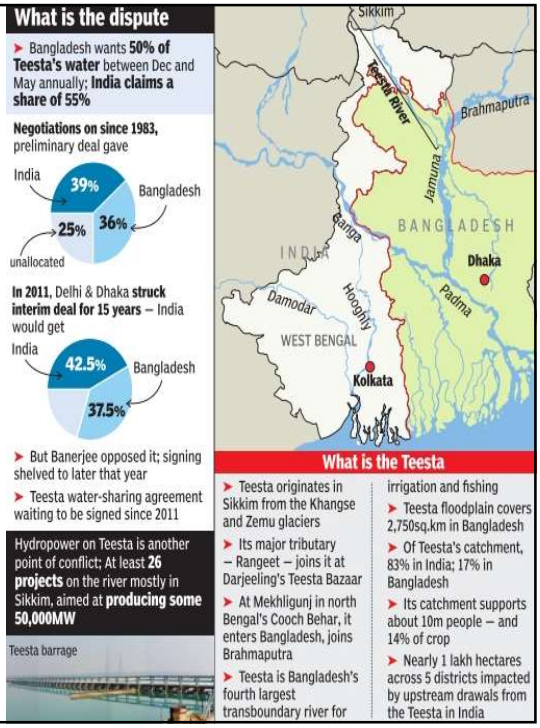

B.1.3) तीन बीघा कॉरिडोर ||

1) **अवस्थिति || :-** कूचबिहार, पश्चिम बंगाल
2) बांग्लादेश के दोहाग्राम - अंगपोता अन्तःक्षेत्र को शेष बांग्लादेश से जोड़ता है
3) 26 जून 1992 को बांग्लादेश को लीज पर दिया

B.1.4) ट्रेन ||

1) **मैत्री एक्सप्रेस -** कलकत्ता से ढाका - 2008
2) **बंधन एक्सप्रेस -** कलकत्ता से खुल्ना – 2018
3) **मिताली एक्सप्रेस -** हल्दीबाड़ी से चिलाहाटी – 1 June 2022

B.1.5) तिपाईमुख बांध ||

1) **अवस्थिति || -** तिपाईमुख, मणिपुर
2) **नदी || -** ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी बराक

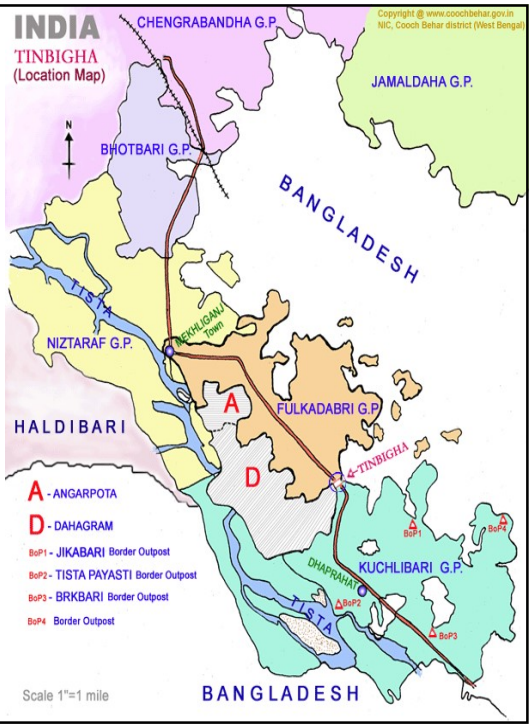

B.1.6) फरक्का बैराज

1) **अवस्थिति -** मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल
2) **प्रारंभ -** 21 अप्रैल 1975
3) **उद्देश्य -** गंगा नदी के पानी से हुगली नदी में जलापूर्ति को बढ़ाना ताकि कलकत्ता बंदरगाह (पूर्व के लंदन) में गाद की समस्या न हो

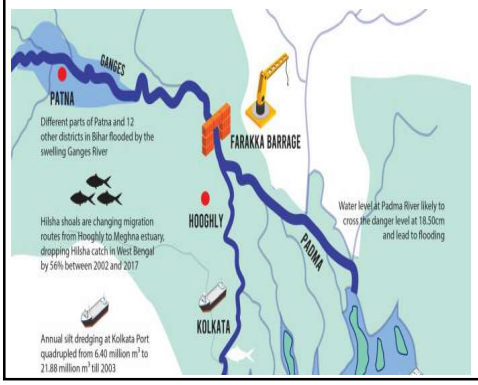

B.1.7) भारत बांग्लादेश भूमि बार्डर समझौता

1) **पृष्ठभूमि :-** 1974 का इंदिरा रहमान
2) **7 May 2015 :-** 100th संविधान संशोधन 2015 के द्वारा भारत और बांग्लादेश के मध्य भूमि बॉर्डर विवाद समाप्त किया गया
3) भारत में स्थित बांग्लादेशी अन्तः क्षेत्रों (51) को भारत में मिलाया गया तथा भारत के बांग्लादेश में स्थित अंतःक्षेत्रों(111) को बांग्लादेश को सौंपा गया
4) इस उद्देश्य के लिए, पहली अनुसूची में चार राज्यों (असम, पश्चिम बंगाल, मेघालय और त्रिपुरा) के क्षेत्रों से संबंधित प्रावधानों में संशोधन किया।

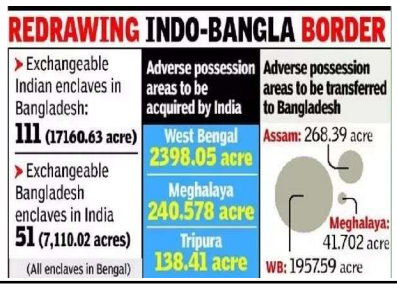

B.1.8) अवैध प्रवासन ||

1) **पूर्वी पाकिस्तान :-** 1971 मुक्तिवाहिनी, (बांग्लादेश)
2) **1961 से 1980 :-** 10 लाख से ज्यादा

⬇

भारत (असम) में विरोध :- 15 अगस्त 1985 (असम समझौता)

⬇

- भारत सरकार व AASU
- असम में NRC का प्रावधान
- 24 मार्च 1971 तक वोटर लिस्ट में नाम

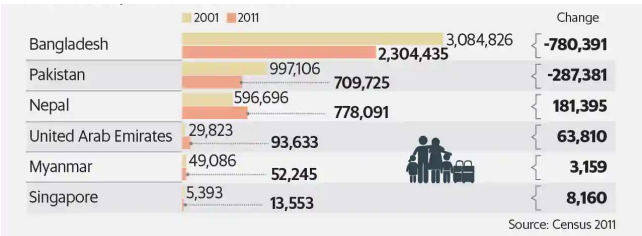

- एनआरसी (National Register of Citizen) वह रजिस्टर है जिसमें **सभी भारतीय नागरिकों का विवरण** शामिल है
- इसे **1951 की जनगणना के बाद तैयार** किया गया था। रजिस्टर में उस जनगणना के दौरान गणना किये गए सभी व्यक्तियों के विवरण शामिल थे
- इसमें केवल उन भारतीयों के नाम को शामिल किया जा रहा है जो कि **25 मार्च, 1971 के पहले से असम** में रह रहे हैं। उसके बाद राज्य में पहुँचने वालों को बांग्लादेश वापस भेज दिया जाएगा
- **एनआरसी उन्हीं राज्यों में लागू होती है जहाँ से अन्य देश के नागरिक भारत में प्रवेश** करते हैं। एनआरसी की रिपोर्ट ही बताती है कि कौन भारतीय नागरिक है और कौन नहीं

B.2) भारत - चीन सीमा

1) भारत - चीन सीमा की लंबाई :- **3488 किमी**
2) **4 भारतीय राज्य :-** अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम
3) **एक केंद्र शासित प्रदेश** :- लद्दाख
4) **भारत-चीन सीमा के नाम :**
   - **मैकमोहन रेखा**
     - » **1914** में भारत, चीन तथा तिब्बत के मध्य शिमला समझौता
     - » **हैनरी मैकमोहन** द्वारा सीमा रेखा का निर्धारण
   - **LAC (Line of Actual Control) :-** 1962 के भारत चीन युद्ध के बाद खींची गई एक युद्ध विराम रेखा
5) **भारत चीन के मध्य प्रमुख मुद्दे :-**
   - भारत चीन युद्ध, 1962
   - ब्रह्मपुत्र नदी विवाद
   - डोकलाम पठार विवाद
   - कैलाश मानसरोवर
   - OBOR
   - गालवन घाटी
   - पैंगोंग त्सो झील विवाद
   - अरुणाचल विवाद

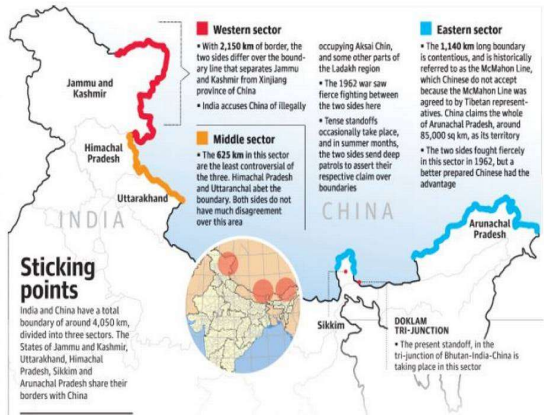

B.2.1) भारत - चीन युद्ध, 1962

1) चीन ने भारत के अक्साई चीन वाले हिस्से पर अवैध कब्जा किया
2) 1962 के भारत चीन युद्ध के बाद खींची गई एक युद्ध विराम रेखा
3) पाकिस्तान ने **1963** में चीन को सक्षगम घाटी का हिस्सा उपहार के रुप में दिया

B.2.2) ब्रह्मपुत्र नदी विवाद

1) चीन द्वारा **4 बड़े बांधों** का निर्माण :- जियाचा, जांग्मू , दागु, जिएक्सू
2) **भारत पर प्रभाव :-**
   - जल भराव का खतरा
   - जल की कमी
   - बिजली की कमी

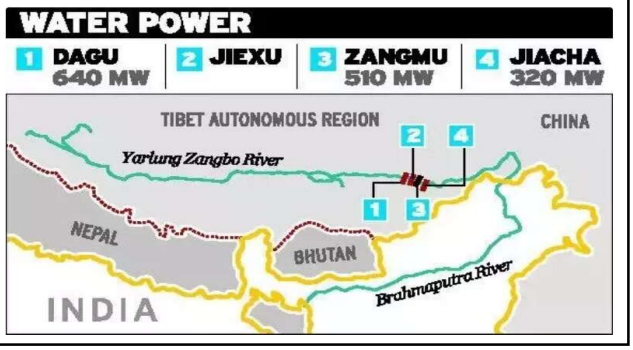

B.2.3) डोकलाम पठार विवाद

1) **स्थिति :-** भूटान की चुंबी घाटी
2) यह भारत, तिब्बत और भूटान के त्रिकोणीय जंक्शन पर स्थित है और नाथु ला पास के करीब है
3) भारत के लिये वह सामरिक महत्त्व का स्थान है। यह स्थल सिलीगुड़ी से महज़ 30 किलोमीटर की दूरी पर है
4) **विवाद :-** चीन द्वारा इस क्षेत्र में सड़क निर्माण

B.2.4) कैलाश मानसरोवर

1) **स्थिति :-** मानसरोवर झील (तिब्बत -उत्तराखंड की सीमा से 100 किमी.)
2) **हिंदू, बौद्ध, जैन तथा बोन** (Bon: तिब्बत का धर्म जो स्वयं की बौद्ध धर्म से अलग मानते हैं) धर्म
3) हिंदुओं में कैलाश पर्बत को पारंपरिक रूप से भगवान शिव के निवास के रूप में मान्यता प्राप्त है।
4) हिंदुओं द्वारा इसे पृथ्वी का केंद्र तथा स्वर्ग की अभिव्यक्ति माना जाता है।
5) **कैलाश मानसरोवर यात्रा के मार्ग :-**
   - **सिक्किम मार्ग :-** नाथुला दर्रा के माध्यम से
   - **काठमांडू मार्ग**
   - **उत्तराखंड मार्ग :-** लिपुलेख दर्रा के द्वारा (सबसे छोटा रास्ता)

B.2.5) गालवन घाटी

1) हाल ही में गलवान घाटी (Galwan Valley) भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हो गई
2) स्थिति :- अक्साई चीन, गलवान नदी
3) गलवान नदी का स्रोत अक्साई चीन में मौजूद है और आगे चल कर यह भारत की श्योक नदी (Shyok River) से मिलती है
4) विवाद :- चीन के लगभग सभी मानचित्रों में संपूर्ण गलवान घाटी को चीन के नियंत्रण वाले क्षेत्र का हिस्सा दिखा जाता है

B.2.6) पैंगोंग त्सो झील

1) भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पैंगोंग त्सो झील (Pangong Tso Lake) के समीप लद्दाख में तनाव की स्थिति देखने को मिली
2) स्थिति :- लद्दाख हिमालय में 14,000 फुट से अधिक की ऊँचाई पर स्थित एक लंबी संकरी, गहरी, एंडोर्फिक (लैंडलॉक) खारे पानी की झील.
3) विवाद :- LAC के संबंध में अलग-अलग धारणाएँ (इस झील का 45 किलोमीटर क्षेत्र भारत में स्थित है, जबकि 90 किलोमीटर क्षेत्र चीन में पड़ता है।
4) रणनीतिक महत्त्व :- चुशूल घाटी, रेज़ांग ला (दर्रा)

B.2.7) अरुणाचल विवाद

1) हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में बुम ला दर्रे से 5 किलोमीटर की दूरी पर चीन द्वारा तीन गाँवों का निर्माण किये जाने की खबरें सामने आई हैं.
2) नवंबर 2020 तक की सैटेलाइट इमेज दर्शाती हैं कि अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबानसिरी ज़िले में त्सारी चू नदी के तट पर एक पूर्ण विकसित गाँव का निर्माण किया गया है।
3) चीन पूरे अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत के रूप में दावा करता है

B.2.8) वन बेल्ट वन रोड़ (OBOR)

1) चीन द्वारा प्रस्तावित संपर्क परियोजना
2) लक्ष्य :- चीन को सड़क, रेल एवं जलमार्गों के माध्यम से यूरोप, अफ्रिका और एशिया से जोड़ना है
3) विश्व की 70% जनसंख्या तथा 75% ज्ञात ऊर्जा भंडारों
4) OBOR में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC - पाक अधिकृत कश्मीर) को शामिल किये जाने के कारण भारत OBOR में नहीं

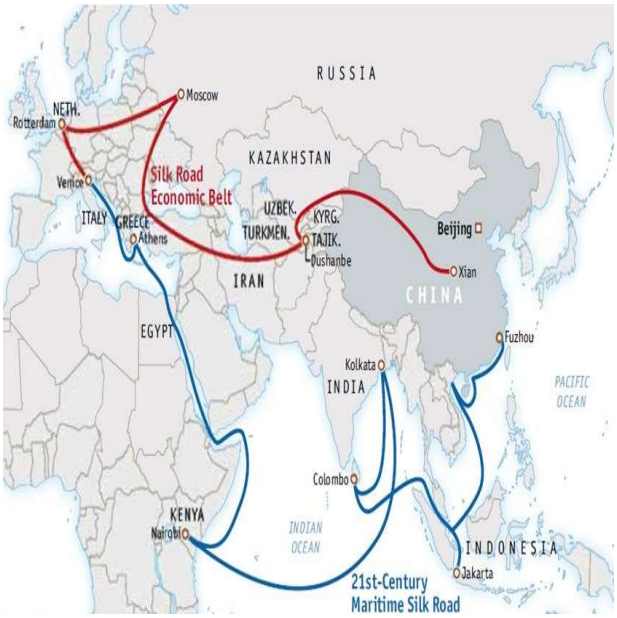

चीन

1) 4 राज्य अर्थात् हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश और एक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख (तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य) चीन के साथ सीमा साझा करते हैं। ||
2) चीन-भारत सीमा को आम तौर पर तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: पश्चिमी क्षेत्र, मध्य क्षेत्र और पूर्वी क्षेत्र। ||

पश्चिमी क्षेत्र ||

1) पश्चिमी क्षेत्र में भारत की लगभग 2152 किमी लंबी सीमा चीन के साथ लगती है। ||
2) यह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख (तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य) और चीन के झिंजियांग प्रांत के बीच है। ||
3) इस सेक्टर में अक्साई चिन को लेकर क्षेत्रीय विवाद है. भारत इसे तत्कालीन कश्मीर का हिस्सा होने का दावा करता है, जबकि चीन का दावा है कि यह शिनजियांग का हिस्सा है। ||
4) अक्साई चिन पर विवाद का पता ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा चीन और उसके भारतीय उपनिवेश के बीच स्पष्ट रूप से कानूनी सीमा निर्धारित करने में विफलता से लगाया जा सकता है। ||
5) भारत में ब्रिटिश शासन के समय, भारत और चीन के बीच दो सीमाएँ प्रस्तावित की गईं- जॉनसन लाइन और मैकडॉनल्ड्स लाइन। ||

- जॉनसन लाइन (1865 में प्रस्तावित) अक्साई चिन को तत्कालीन जम्मू-कश्मीर (अब लद्दाख) में यानी भारत के नियंत्रण में दिखाती है जबकि मैकडॉनल्ड लाइन (1893 में प्रस्तावित) इसे चीन के नियंत्रण में रखती है। ||
- भारत जॉनसन लाइन को चीन के साथ सही, वैध राष्ट्रीय सीमा मानता है, जबकि दूसरी ओर, चीन मैकडॉनल्ड लाइन को भारत के साथ सही सीमा मानता है। ||
- वर्तमान में, वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) लद्दाख के भारतीय क्षेत्रों को अक्साई चिन से अलग करने वाली रेखा है। यह चीनी अक्साई चिन दावा रेखा के समवर्ती है। ||

मध्य क्षेत्र ||

1) इस क्षेत्र में, भारत चीन के साथ लगभग 625 किमी लंबी सीमा साझा करता है जो लद्दाख से नेपाल तक जलक्षेत्र के साथ चलती है। ||
2) इस क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा तिब्बत (चीन) से छूती है। इस क्षेत्र में सीमा को लेकर दोनों पक्षों में ज्यादा मतभेद नहीं है. ||

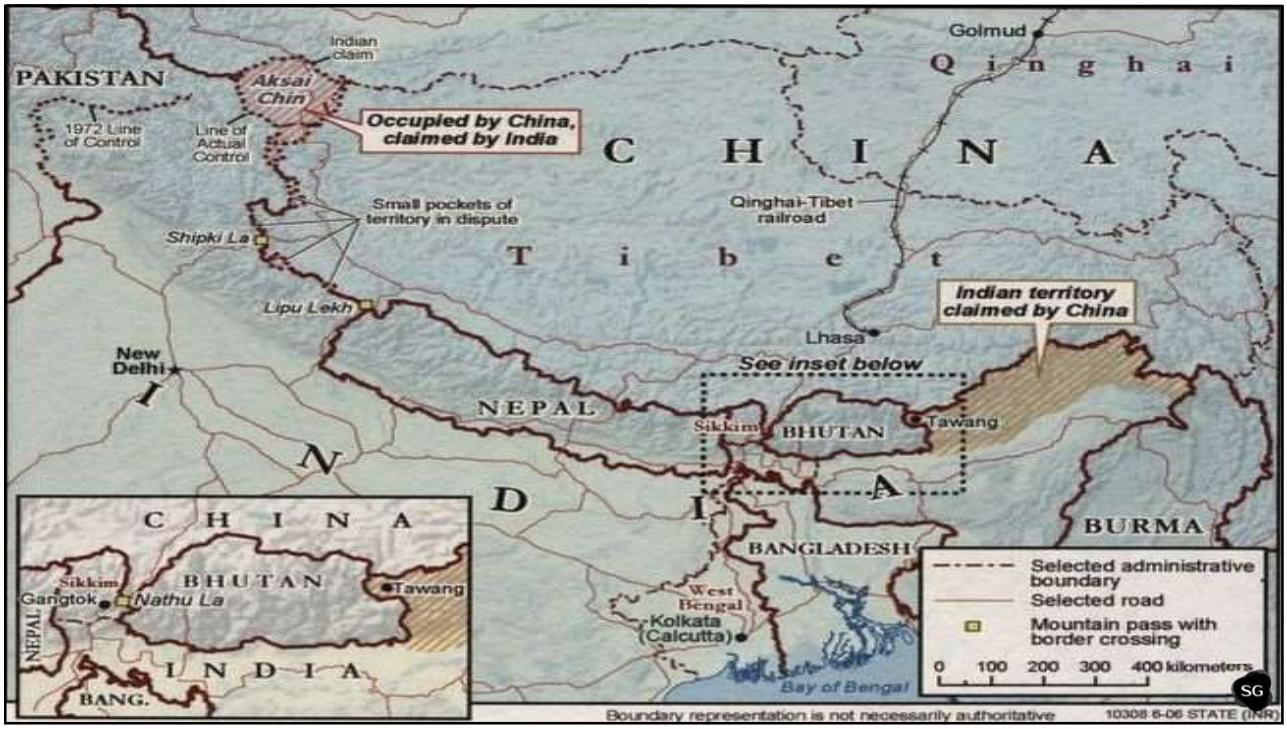

पूर्वी क्षेत्र ||

1) इस क्षेत्र में भारत चीन के साथ 1,140 किमी लंबी सीमा साझा करता है। ||
2) यह भूटान की पूर्वी सीमा से तिब्बत, भारत और म्यांमार की सीमा पर तालु दर्रे के पास एक बिंदु तक चलती है। ||
3) इस सीमा रेखा को मैकमोहन रेखा कहा जाता है। ||
4) चीन मैकमोहन रेखा को अवैध और अस्वीकार्य मानता है और दावा करता है कि जिन तिब्बती प्रतिनिधियों ने शिमला में आयोजित 1914 कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें मैकमोहन रेखा को मानचित्र पर चित्रित किया गया था, उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं था। ||

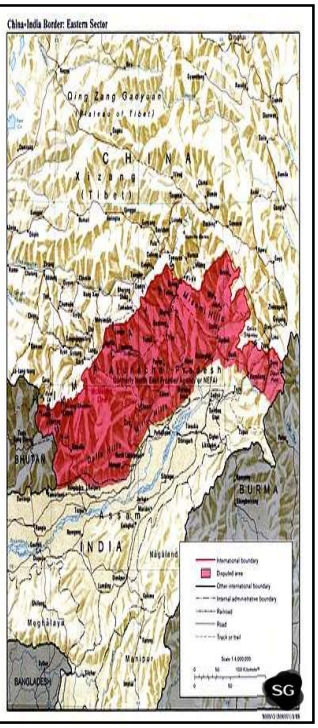

B.3) भारत-पाकिस्तान सीमा

1) भारत-पाकिस्तान सीमा की लंबाई :- **3323 किमी**
2) **3 भारतीय राज्य :-** राजस्थान, गुजरात तथा पंजाब
3) **2 केंद्र शासित प्रदेश :-** जम्मू-कश्मीर और लद्दाख
4) **भारत-पाकिस्तान सीमा के नाम :-**
   - **रेडक्लिफ रेखा -** 17 अगस्त 1947 को सिरिल रेडक्लिफ ने भारत और पाकिस्तान के मध्य
   - **LOC - नियंत्रण रेखा :-** 1972 में शिमला समझौते के माध्यम से भारत और पाकिस्तान के युद्ध विराम रेखा
5) **भारत और पाकिस्तान के मध्य मुद्दे :-**
   - पाक अधिकृत कश्मीर
   - भारत पाकिस्तान युद्ध
   - सर क्रीक
   - कच्छ का रण
   - सियाचिन ग्लेशियर
   - सिंधु जल समझौता
   - उरी तथा पुलवामा हमला

B.3.1) पाक अधिकृत कश्मीर

1) 1947 के युद्ध द्वारा पाक ने अवैध कब्जा किया
2) **राजधानी -** मुज़फ्फराबाद {झेलम और सहायक नदी नीलम (जिसे भारत में किशनगंगा कहते हैं) की घाटी}
3) Pok - **दो हिस्सों** :- आज़ाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान
4) 1963 में 5,000 वर्ग किमी. **शक्सगाम (Shaksgam) क्षेत्र** को पाकिस्तान ने चीन को दिया
5) भारत की संसद द्वारा वर्ष 1994 - पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान दोनों जम्मू-कश्मीर राज्य के अभिन्न हिस्से हैं
6) भारत की सबसे ऊंची चोटी K2 पाक अधिकृत कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान में स्थित है

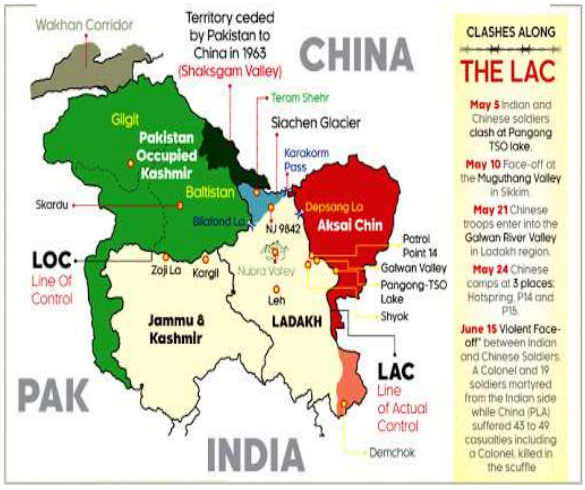

B.3.2) भारत - पाकिस्तान युद्ध

1) भारत और पाकिस्तान के मध्य अब तक चार युद्ध :-
   - 1947 :- भारत और पाकिस्तान के मध्य LoC का निर्धारण
     1965 :- ऑपरेशन जिब्राल्टर - द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया का सबसे बड़ा टैंक युद्ध
   - 1971 :- मुक्ति वाहिनी
   - 1999 (Kargil) :- ऑपरेशन विजय

B.3.3) सरक्रीक

1) क्रीक :- महासागर का स्थल में घुसा हुआ संकीर्ण जलीय भाग
2) सरक्रीक :-
   - 96 km2
   - मछली उत्पादन
   - नमक/पेट्रोलियम
   - मछुआरे का विवाद

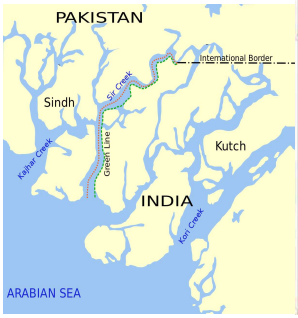

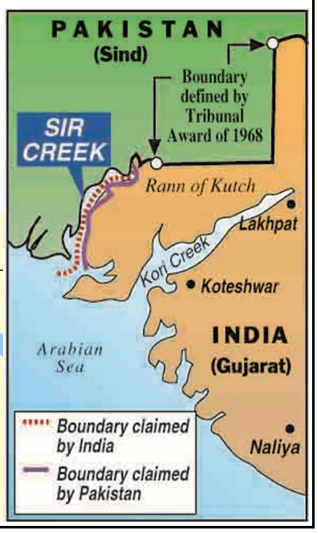

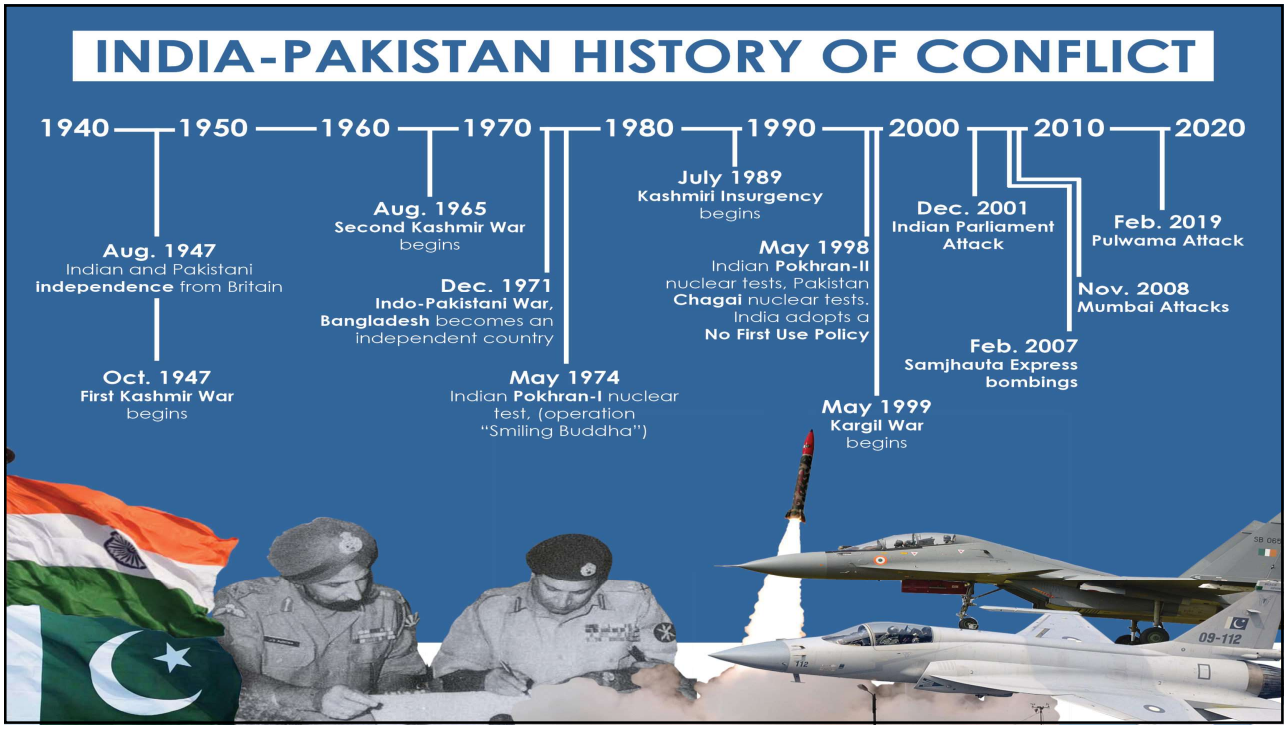

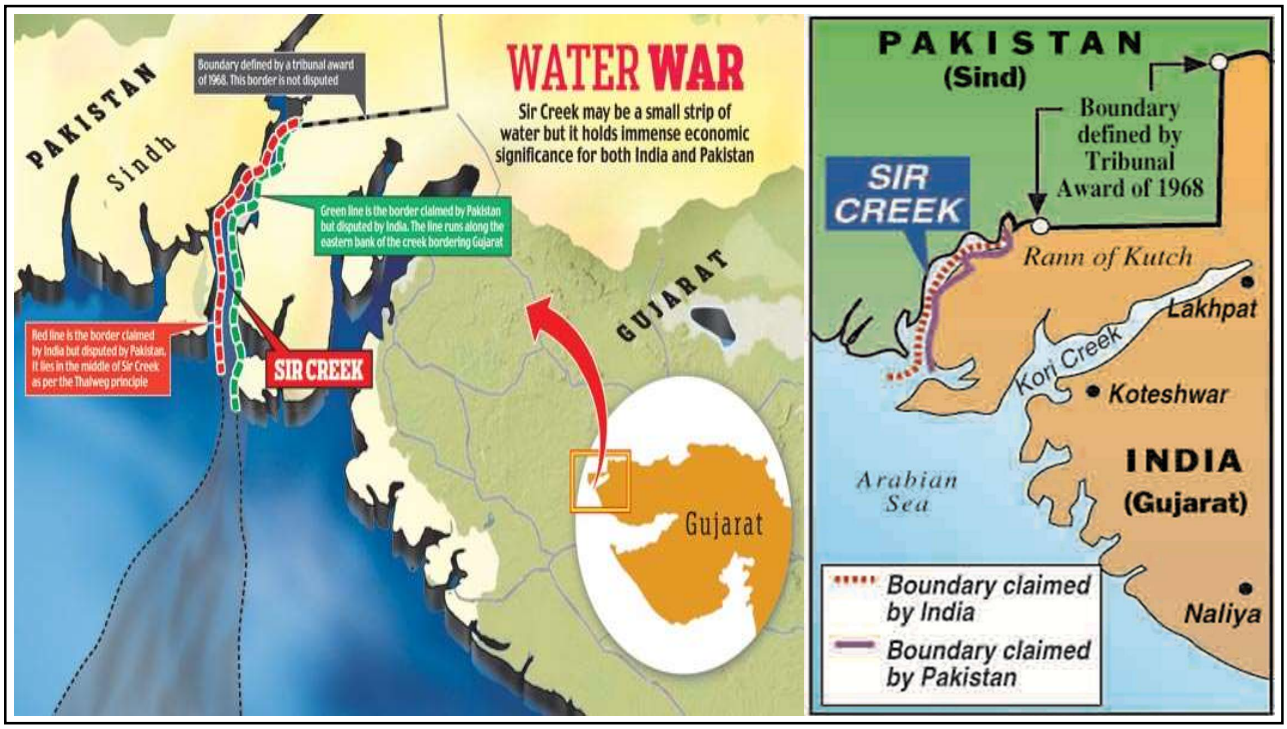

1) सर क्रीक कच्छ के रण की दलदली भूमि में भारत और पाकिस्तान के बीच विवादित जल की 96 किलोमीटर लंबी पट्टी है।
2) मूल रूप से बाण गंगा नाम वाले सर क्रीक का नाम एक ब्रिटिश प्रतिनिधि के नाम पर रखा गया है।
3) यह क्रीक अरब सागर में खुलती है और मोटे तौर पर गुजरात के कच्छ क्षेत्र को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से विभाजित करती है.
4) **विवाद :-**
   - ⊙ कच्छ और सिंध के बीच समुद्री सीमा रेखा की व्याख्या। भारत की आज़ादी से पहले.
   - ⊙ भारत की आज़ादी के बाद सिंध पाकिस्तान का हिस्सा बन गया जबकि कच्छ भारत का हिस्सा बना रहा।
   - ⊙ इस फैसले के पैराग्राफ 9 में कहा गया है कि कच्छ और सिंध के बीच की सीमा 'क्रीक के पूर्व में' (ग्रीन लाइन) पर स्थित है, जिसका प्रभावी अर्थ यह है कि यह खाड़ी सिंध की है और इसलिए, पाकिस्तान की है।
   - ⊙ दूसरी ओर, पैराग्राफ 10 में कहा गया है कि चूंकि सर क्रीक वर्ष के अधिकांश समय नौगम्य रहता है।
   - ⊙ थालवेग सिद्धांत के अनुसार, एक सीमा केवल नौगम्य चैनल के मध्य में तय की जा सकती है, जिसका अर्थ था कि इसे सिंध और कच्छ और इस तरह भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित किया गया है।
   - ⊙ भारत ने इस पैरा का उपयोग लगातार यह तर्क देने के लिए किया है कि सीमा को खाड़ी के बीच में तय करने की आवश्यकता है।
   - ⊙ हालाँकि, पाकिस्तान का दावा है कि सर क्रीक नौगम्य नहीं है, लेकिन भारत का दावा है कि चूंकि यह उच्च ज्वार में नौगम्य है, इसलिए सीमा मध्य चैनल से खींची जानी चाहिए।

5) 1965 का युद्ध और न्यायाधिकरण :-

- 1965 के युद्ध के बाद, ब्रिटिश प्रधान मंत्री हेरोल्ड विल्सन ने सफलतापूर्वक दोनों देशों को शत्रुता समाप्त करने के लिए राजी किया और विवाद को सुलझाने के लिए एक न्यायाधिकरण का गठन किया।
- ट्रिब्यूनल का फैसला 1968 में आया जिसमें पाकिस्तान को 9,000 किमी (3,500 वर्ग मील) के दावे का 10% मिला।
- 1969 से अब तक सर क्रीक के मुद्दे पर 12 दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन दोनों पक्षों ने किसी भी समाधान पर पहुंचने से इनकार किया है।
- 1999 में पाकिस्तानी नौसेना द्वारा मिग-21 लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद इस क्षेत्र में तनाव पैदा हो गया था, लेकिन आखिरी दौर की वार्ता 2012 में हुई थी। तब से यथास्थिति बनी हुई है।

B.3.4) कच्छ का रण

1) **स्थिति :-** गुजरात में कच्छ जिले के उत्तर तथा पूर्व में फैला हुआ एक नमकीन दलदल का वीरान प्रदेश
2) **क्षेत्रफल :-** 23,300 km^2
3) **9 अप्रैल 1965** को पाकिस्तान ने अचानक आक्रमण करके इसके एक भाग पर कब्जा कर लिया.
4) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के निर्णय (19 फ़रवरी 1968) के अनुसार कच्छ के रन का **10 % भाग पाकिस्तान को मिला और 90 % भाग भारत** को

B.3.5) सियाचिन ग्लेशियर

1) भारत के लद्दाख **(ट्रांस हिमालय)** में स्थित एक बर्फीला क्षेत्र
   - **ऊंचाई :** 5700 मी
   - **लंबाई :** 72 किमी
   - **चौड़ाई :** 2 - 3 किमी
2) भारतीय सेना ने **13 अप्रैल, 1984** में **ऑपरेशन मेघदूत** के द्वारा पाकिस्तान के कब्जे से सियाचिन को मुक्त करवाया
3) दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध स्थल
4) काराकोरम ➪ साल्टेरो श्रेणी ➪ नुब्रा नदी ➪ श्योक नदी ➪ सिंधु नदी

यह ग्लेशियर काराकोरम में सबसे लंबा है और धरती पर ध्रुवों को छोड़कर दूसरा सबसे लंबा ग्लेशियर है। इसे तीसरा ध्रुव भी कहा जाता है

B.3.6) सिंधु जल समझौता

1) **सिंधु प्रणाली :-** सिंधु, झेलम, चिनाब,रावी, ब्यास और सतलज नदियाँ
2) **19 सितंबर 1960** को विश्व बैंक की सहायता से भारत और पाकिस्तान के मध्य सिंधु जल समझौता हुआ :-
   - **भारत -** पूर्वी नदियों **(रावी, ब्यास और सतलज)**
   - **पाकिस्तान -** पश्चिमी नदियों **(झेलम, चिनाब, सिंधु)**
   - भारत 3 पश्चिमी नदियों (झेलम, चिनाब, सिंधु) पर जलविद्युत परियोजनाएँ (रन ऑफ द रिवर प्रोजेक्ट) बना सकता है

1) **2 जनवरी 2016 - 5 जनवरी 2016 :- पठानकोट हमला**
2) **18 सितंबर 2016 :- उरी हमला**
3) **29 सितंबर 2016 :- भारत के द्वारा पाकिस्तान पर स्थलीय मार्ग द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक**
4) **14 फरवरी 2019 :- पुलवामा हमला**
5) **26 फरवरी 2019 :- भारत के द्वारा पाकिस्तान पर हवाई मार्ग द्वारा बालाकोट स्ट्राइक**

भारत द्वारा सिंधु नदी तंत्र पर बनाई गई परियोजनाएं (जम्मू एवं कश्मीर) ||

1) झेलम नदी	❋ **तुलबुल परियोजना** ❋ **उरी परियोजना**
2) झेलम की सहायक किशनगंगा नदी	❋ **किशनगंगा परियोजना**
3) चिनाब नदी	❋ **दुलहस्ती परियोजना** ❋ **बगलीहारी परियोजना** ❋ **सलल परियोजना**

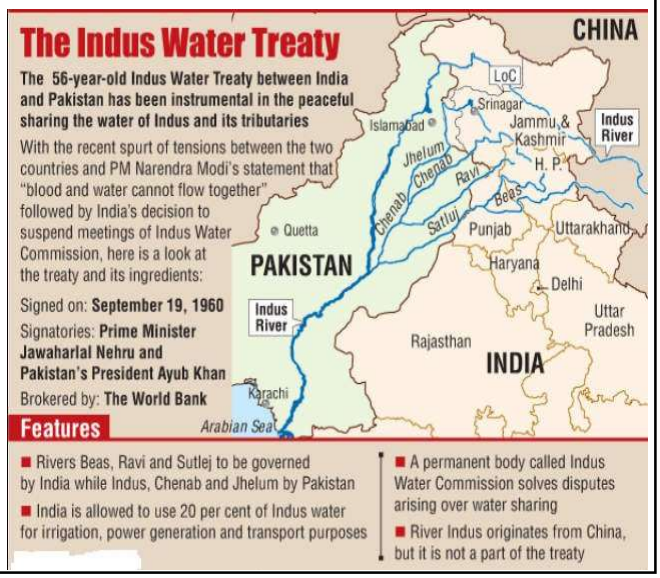

भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया

- 1988 में भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। हाल ही में, इस समझौते के तहत परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया गया है।
  - यह समझौता 1991 में लागू हुआ था।
- इस समझौते में यह प्रावधान किया गया है कि- दोनों देश प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में 1 जनवरी को इस समझौते के तहत शामिल किए जाने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के बारे में एक-दूसरे को जानकारी प्रदान करेंगे।
- इस वर्ष ऐसी 33वीं सूची का आदान-प्रदान किया गया है। पहली बार 1 जनवरी, 1992 को इस तरह की सूची का आदान-प्रदान किया गया था। तब से निरंतर इस सूची का आदान-प्रदान किया जाता रहा है।

B.4) भारत - नेपाल सीमा

1) भारत-नेपाल सीमा की लंबाई :- **1751 किमी**
2) **5 भारतीय राज्य :-** उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
3) यह एक **खुली** सीमा है
4) भारत और नेपाल के मध्य विवाद के मुद्दे :-
   - नेपाल द्वारा नवीन मानचित्र - **उत्तराखंड के कालापानी (Kalapani) लिंपियाधुरा (Limpiyadhura) और लिपुलेख (Lipulekh)** को अपने संप्रभु क्षेत्र
   - बिहार की सीमा पर अवस्थित **'सुस्ता क्षेत्र'** को भी नेपाल ने नवीन मानचित्र में शामिल
   - नेपाल के अनुसार, **सुगौली संधि (वर्ष 1816)** के तहत **काली (महाकाली) नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र**, जिनमें लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख शामिल हैं, **नेपाल का अभिन्न** अंग हैं।
   - भारत - उत्तराखंड के पिथौरागढ़, जबकि नेपाल - धारचूला ज़िले

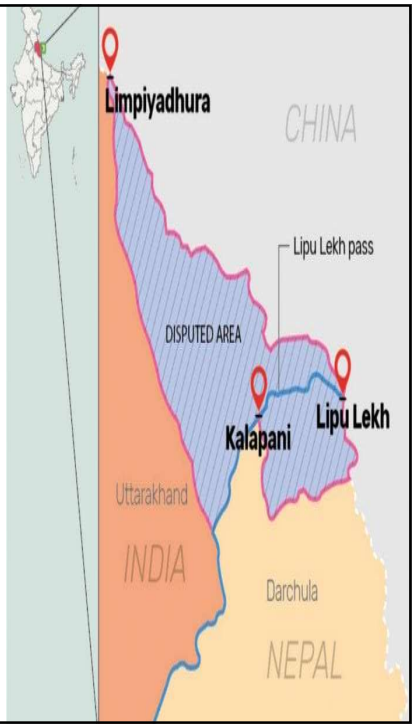

B.5) भारत - म्यांमार सीमा

1) भारत - म्यांमार सीमा की लंबाई :- **1643 किमी**
2) **4 भारतीय राज्य :-** अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड
3) **भौगोलिक या प्राकृतिक सीमा :-** अराकान योमा श्रेणी
4) **प्रमुख विवाद :-** आतंकवाद, मानव तस्करी तथा उग्रवाद
5) **ऑपरेशन सनराइज (2015 और 2019) :-** भारत और म्यांमार की सेनाओं ने म्यानमार में उपस्थित आतंकवादी संगठनों को नेस्तनाबूद किया
6) **प्रमुख तथ्य :-**
   - पुराना नाम – वर्मा
   - दक्षिणपूर्वी एशिया का द्वार
   - भारत शासन अधिनियम 1935 - 1937 में म्यांमार को भारत से अलग

6) **कलादान प्रोजेक्ट :-** कोलकाता को म्याँमार के सित्वे बंदरगाह से जोड़ती है, इस परियोजना से कोलकाता और मिज़ोरम के बीच की दूरी लगभग 1800 किमी. से घटकर लगभग 930 किमी. हो जाएगी

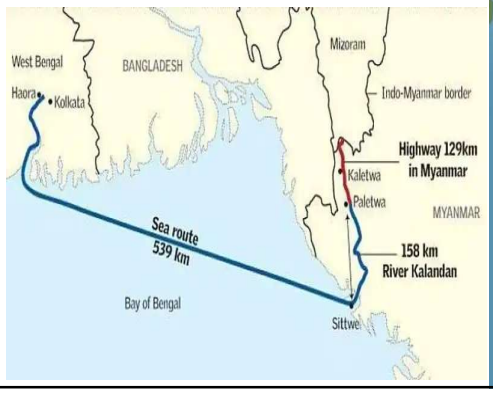

C) भारत की जलीय सीमा

C.1) परिचय

1) भारत की तटीय सीमा
   - कुल तटीय सीमा :- **7516.6 किमी**
   - मुख्य तटीय सीमा :- **6100 किमी**
2) **9 राज्यों** की सीमाएं तट को स्पर्श करती है

NOTE

के अनुसार भारत की तटीय सीमा की कुल लंबाई 7516.6 किमी है जिसमें मुख्य भूमि की तटीय रेखा की लंबाई 5422.6 किमी तथा द्वीपों की तटीय लंबाई को 2904 किमी अंकित किया गया है

C.2) संयुक्त राष्ट्र की संधि के अनुसार जलीय क्षेत्र

संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (UNCLOS), 1982 के अनुसार किसी देश के जलीय सीमा को 5 भागों में विभाजित किया है

संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (UNCLOS), 1982

- आंतरिक जल
- प्रादेशिक जल
- सन्निहित / संलग्न क्षेत्र
- अनन्य आर्थिक क्षेत्र
- उच्च सागर

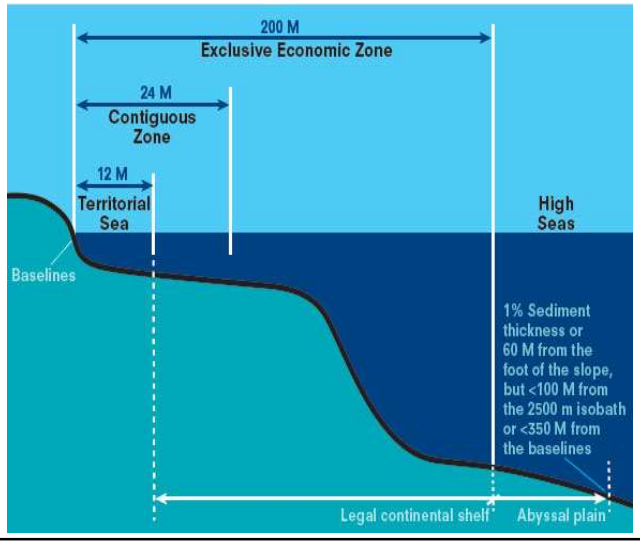

C.2.1) आंतरिक जल

1) स्थलीय भाग एवं आधार रेखा के मध्य स्थित सागरीय जल
2) संपूर्ण संप्रभुता
3) आंतरिक जल में सम्बंधित देश की सभी जलीय राशियों (नदी, खाड़ी, झील आदि) को शामिल किया जाता है
4) **आधार रेखा :-** टेढ़े मेढ़े तट को मिलाने वाली सीधी काल्पनिक रेखा

C.2.2) प्रादेशिक जल

1) आधार रेखा से 12 समुद्री मील की दूरी तक विस्तारित जलीय क्षेत्र
2) **अधिकारिता :-** संपूर्ण संप्रभुता

C.2.3) सन्निहित / संलग्न क्षेत्र

1) आधार रेखा से 24 समुद्री मील की दूरी तक विस्तारित जलीय क्षेत्र
2) **अधिकारिता :-** राजकोषीय, आप्रवास, स्वच्छता और सीमा शुल्क कानूनों के उल्लंघन को रोकना और दंडित करना

C.2.4) अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ)

1) आधार रेखा से 200 समुद्री मील तक विस्तारित जलीय क्षेत्र
2) **अधिकारिता :-**
   - सभी प्राकृतिक संसाधनों की खोज, दोहन, अनुसंधान, संरक्षण व प्रबंधन का अधिकार
   - पानी, धाराओं और हवा से ऊर्जा का उत्पादन

C.2.5) उच्च सागर

1) अनन्य आर्थिक क्षेत्र (आधार रेखा से 200 समुद्री मील) के बाद का जलीय क्षेत्र
2) **अधिकारिता :-** सभी देशों को समान अधिकार

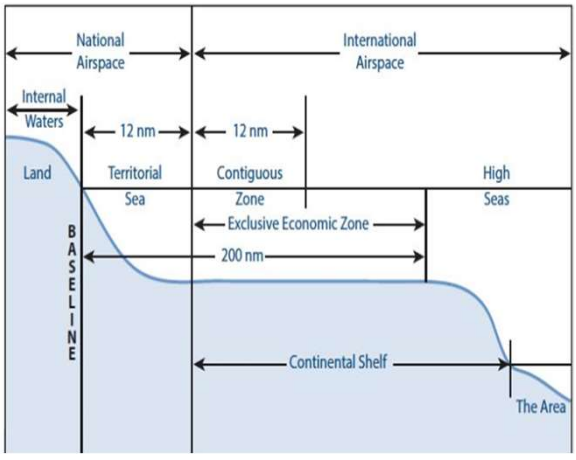

NOTE

1) जलसंधि :- ऐसी जल राशि, जो दो स्थलीय खंडों को अलग करे तथा दो जलीय राशियों को जोड़े

2) स्थलसंधि :- ऐसा स्थलखंड जो दो स्थलखण्डों को जोड़े तथा जल राशियों को अलग करे

3) खाड़ी :- समुद्र से जुड़ी एक ऐसी जलराशि जो तीन ओर से भूमि से घिरी हो तथा संकीर्ण मुहाना हो

4) खाड़ी :- इसका मुहाना विस्तारित होता है

C.3) भारत की जलीय अंतरराष्ट्रीय सीमा

श्रीलंका | इंडोनेशिया | पाकिस्तान | मालदीव | बांग्लादेश | म्यांमार

1) श्रीलंका

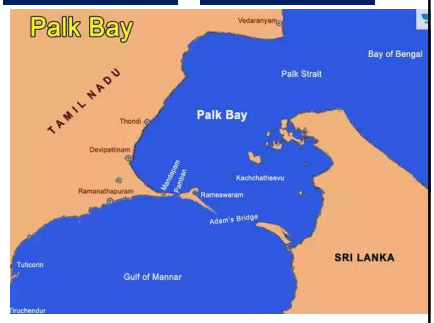

1) समुद्रपार, भारत का सबसे निकट पड़ोसी देश

2) **अन्य नाम :-** ताम्रपर्णी, शिलॉन, रत्नों का द्वीप, पूर्वी समुद्रों की स्वामिनी, भारत की चाय की बूंद

3) **पाक जलसंधि :-**
   - भारत व श्रीलंका को अलग
   - बंगाल की खाड़ी को पाक खाड़ी से जोड़ती
   - **राम सेतु / आदम ब्रिज :-** भारत (पम्बन द्वीप, तमिलनाडु) व श्रीलंका के मध्य स्थित 50 किमी लंबा ब्रिज

4) **विवाद || Issue :-** मछुआरा तथा कच्चातिवु द्वीप

श्रीलंका के बदतर हालात

51 अरब डॉलर के कर्ज में श्रीलंका

5 लाख लोग गरीबी में फंसे

2.2 करोड़ की आबादी के सामने संकट

एक महीने में **45%** गिरी करंसी

1 डॉलर की कीमत **292.50** श्रीलंकाई रुपये

17.5% पहुंची महंगाई दर, एशिया में सबसे ज्यादा

70% से ज्यादा घटा विदेशी मुद्रा भंडार

2.36 अरब डॉलर बचा विदेशी मुद्रा भंडार

10 अरब डॉलर के व्यापारिक घाटे का अनुमान

श्रीलंका किन देशों से कितना इंपोर्ट करता है

श्रीलंका ऑयल, फूड, पेपर, चीनी, दाल, वा का सबसे ज्यादा इंपोर्ट करता है।

भारत	32 हजार करोड़ रुपए
चीन	31 हजार करोड़ रुपए
सिंगापुर	9 हजार करोड़ रुपए
यूएई	8 हजार करोड़ रुपए
मलेशिया	6 हजार करोड़ रुपए
कुल	**1.35 लाख करोड़ रुपए**

सोर्स: OEC

2) अन्य देश ||

विभाजित स्थल-खण्ड	चैनल/खाड़ी/स्टेट
1) मालद्वीव व मिनीकाय के मध्य	8° चैनल
2) लक्षद्वीप व मिनीकॉय के मध्य	9°चैनल
3) छोटा अंडमान व कार निकोबार के मध्य	10°चैनल
4) सुमात्रा (इंडोनेशिया) व निकोबार के मध्य	ग्रेट चैनल
5) तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य	पाक स्ट्रेट
6) द.पू. तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य	मन्नार खाडी
7) दक्षिण अंडमान व लघु अंडमान के मध्य	डंकन पास
8) कोको द्वीप (म्यांमार) व उत्तरी अंडमान (लैंडफ़ॉल द्वीप)	कोको स्ट्रेट
9) लक्षद्वीप व मालाबार तट के मध्य	लक्षद्वीप सागर

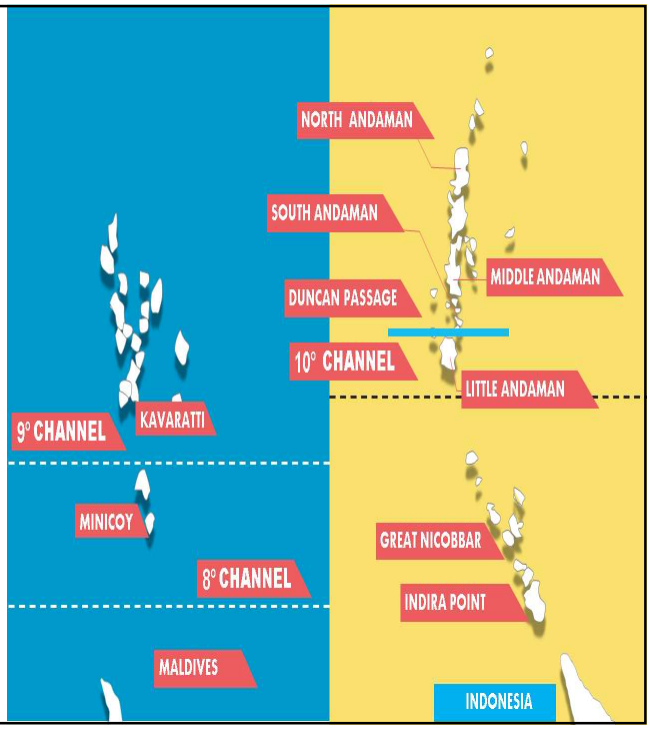

1.4) अन्य तथ्य ||

भारत का भौगोलिक विकास क्रम

भारत की उत्पत्ति गोंडवाना लैंड से हुई है

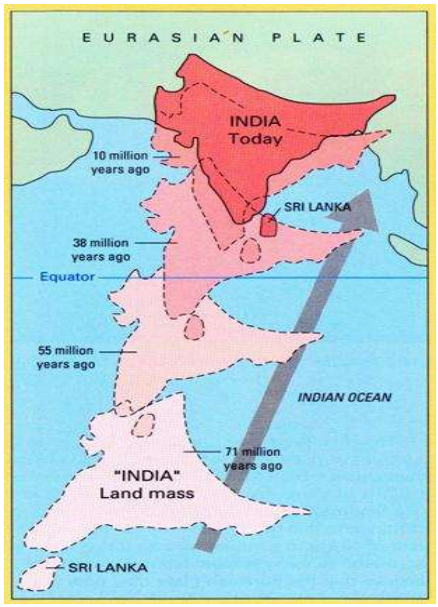

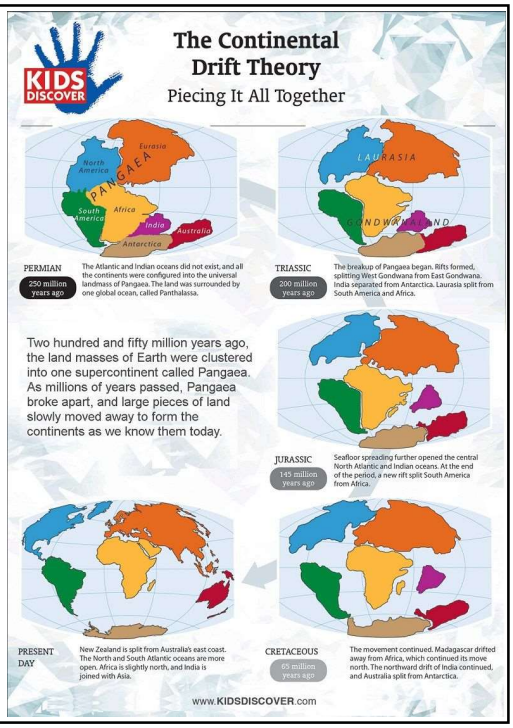

1) पाकिस्तान किस रेखा के सहारे कच्छ के रन का बंटवारा चाहता है - **24° अक्षांश रेखा**
2) सर रेडक्लिफ द्वारा भारत पाक के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण कब किया गया - **17 अगस्त 1947**
3) सबसे लंबा बीच(पुलिन) - **मरीन बीच (चेन्नई)**
4) भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की अन्तरस्थलीय झील - **सांभर झील (RJ)**
5) भारत-म्यांमार सीमा का निर्धारण प्राकृतिक पहाड़ियों द्वारा किया जाता है - **मिसपी, पटकोई, नागा तथा अराकान योमा पहाड़ियों**
6) अंडमान निकोबार को **मरकत द्वीप** कहा जाता है
7) सबसे लंबा बांध - **हीराकुंड बांध (महानदी उड़ीसा)**
8) सबसे ठंडा स्थान - **द्रांस(लद्दाख)**
9) हिंद महासागर का प्राचीन नाम – **रत्नाकर**
10) हिंद महासागर को **सात समुद्रों की कुंजी** कहा जाता है
11) हिंद महासागर को **शांत क्षेत्र** कहा जाता है
12) उर्वरता की दृष्टि से किस क्षेत्र को भारत का हृदय स्थल माना जाता है - **गंगा मैदान**
13) किस भूगोलवेत्ता ने यह कहा था कि भारत को महाद्वीप कहने का उतना ही अधिकार है जितना यूरोप को - **जॉर्ज बी क्रेसी**
14) सबसे गर्म स्थान - **(व्रियावली) बीकानेर/ जैसलमेर 56°C**
15) कोलाबा पॉइंट मुम्बई में, **पॉइंट कालीमेरे तमिलनाडु** में एवं **पॉइंट पेड्रो जाफना (श्रीलंका के उत्तर पूर्व)** में है

16) सोम्ब्रेरो चैनल :- यह चैनल लिटिल निकोबार को कार निकोबार से अलग करता है। हिंद महासागर को अंडमान सागर से जोड़ता है.
17) जाफना (तमिलबहुल) शेष श्रीलंका से **एलिफेंटा दर्रे** द्वारा जुड़ा है.
18) भारत में रामेश्वरम के निकट **धनुष्कोडी** और श्रीलंका में **तैलयामन्नार** के बीच समुद्र में डूबी प्रवाल द्वीप की एक रेखा है जिसे **आदम का पुल** कहा जाता है
19) मेघालय के **खासी जनजाति के लोग रबर ट्री नामक पौधों** के जड़ो का अनुवर्धन कर इन्हें पुलों में रुपांतरित कर देते हैं, जिसे **जीवित जड़ पुल** कहा जाता है। स्थानीय भाषा में इसे **जिंगकेंग इरों** कहते है
20) पृथ्वी की **चुम्बकीय विषुवत रेखा दक्षिण भारत में त्रिवेंद्रम** से गुजरती है
21) संकोश नदी असम एवं अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा बनाती है
21) पुडुचेरी केंद्रशासित क्षेत्र के अंतर्गत सम्मिलित हैं – माह (केरल), कराईकल (TN), पांडिचेरी(TN) तथा यनम (आंध्र प्रदेश)
22) काराकोरम रेंज भारतीय उपमहाद्वीप एवं चीन के मध्य एक जल विभाजक बनाती है.
23) तीन अर्धचन्द्राकार समुद्र तट **कन्याकुमारी** में मिलते हैं
24) भारत का कौन सा स्थान तीन सागरों का संगम कहलाता है - **कन्याकुमारी**

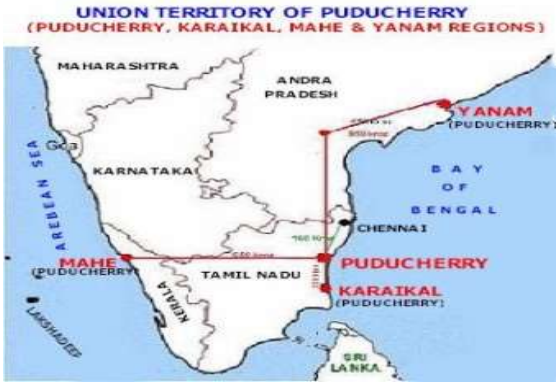

हिंडनबर्ग रेखा	प्रथम विश्व युद्ध के समय (1947) में तय यह जर्मन-पोलैंड के मध्य सीमा निर्धारण करती है।
मैनरहीन रेखा	सोवियत रूस और फिनलैंड के बीच की सीमा रेखा
मैगीनाट रेखा	फ्रांस द्वारा खींची गई जर्मनी और फ्रांस के बीच की सीमा रेखा
17 वीं समानांतर रेखा	उत्तरी और दक्षिण वियतनाम की सीमा रेखा
24वीं समानांतर रेखा	कच्छ के पास, जिसे पाकिस्तान भारत-पाक की सीमा रेखा मानता है, किन्तु भारत इसे अस्वीकार करता है
31वीं समानांतर रेखा	ईरान एवं ईराक के बीच
38वीं समानांतर रेखा	उत्तरी और दक्षिण कोरिया के मध्य की सीमा रेखा
ओडरनीसे रेखा	पूर्वी जर्मनी और पोलैंड के बीच की सीमा रेखा
ओडरनीसे रेखा	पूर्वी जर्मनी और पोलैंड के बीच की सीमा रेखा
सीगफ्रायड रेखा	द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व फ्रांस और जर्मनी की सीमा
ब्लूलाइन || blueline	लेबनान एवं इजरायल के मध्य

1.5) अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के प्रकार ||

A) सीमा ||

1) दो देशों या राज्यों के बीच सुस्थापित रेखा

2) सीमाओं के कार्य निम्नलिखित हैं :

- देश के अधिकार क्षेत्र और संप्रभुता को सीमाओं द्वारा चिह्नित किया जाता है।
- देश को राष्ट्रीय सीमाओं के अंतर्गत कानून संचालन और रक्षा का अधिकार प्राप्त है।
- देश को राष्ट्रीय सीमाओं के अंतर्गत कर वसूलने का आनंद मिलता है

3) सीमाओं को चिन्हित किया जा सकता है :

- नदी, पहाड़, आदि
- बाड़ लगाने की बाधाएँ
- मानव निर्मित दीवार

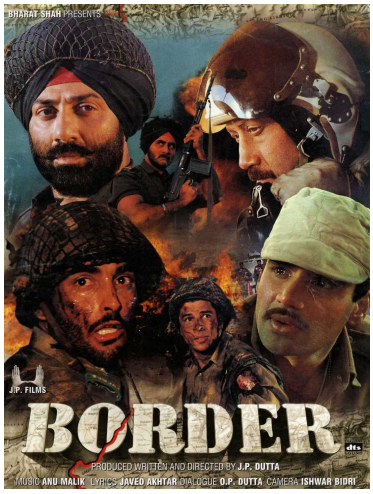

B) सीमांत ||

1) देशों की सीमा के बीच के भौगोलिक क्षेत्र जिन पर किसी भी राष्ट्र का मजबूत नियंत्रण नहीं होता है उन्हें सीमांत कहा जाता है। कालांतर में सीमांत क्षेत्र में अतिक्रमण से राष्ट्रीय सीमाओं का विस्तार संभव है।
2) सीमाएँ और सीमांत समान हैं और यह अलग-अलग समय के पैमाने के साथ एक ही भौगोलिक घटना का प्रतिनिधित्व करती है।
3) उदाहरण के लिए,
   - बचपन में गाँव में हम सभी ने देखा होगा कि दो किसानों के कृषि क्षेत्रों के बीच एक अप्रयुक्त क्षेत्र होता था और उसी अप्रयुक्त क्षेत्र पर दोनों किसानों द्वारा समय-समय पर अतिक्रमण किया जाता था, अप्रयुक्त क्षेत्र को सीमांत कहा जाता है, और अच्छी तरह से परिभाषित रेखा को सीमाएँ कहा जाता है।
   - मध्ययुगीन काल में, सर्वशक्तिमान हिमालय भारत और तिब्बत के बीच की सीमांत सीमा थी, अब भारत और चीन के बीच अच्छी तरह से परिभाषित सीमाएँ हैं।
   - अफ़्रीका में अभी भी देशों के बीच सीमांत पाई जाती हैं।

C) मध्यवर्ती क्षेत्र ||

1) बफ़र ज़ोन एक तटस्थ क्षेत्र है जो दो या दो से अधिक क्षेत्रों को अलग करता है, और किसी चीज़ तक पहुँचने से नुकसान या लड़ाई को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2) विसैन्यीकृत क्षेत्र, सीमा क्षेत्र, प्रतिबंधित सुगमता क्षेत्र और हरित पट्टियाँ बफ़र्स के सबसे सामान्य रूपों में से हैं।
3) बफर ज़ोन को नियंत्रित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के उदाहरण सामने आए हैं :-
   - नेपाल भारत और चीन के बीच स्थित है, इसे बफर ज़ोन देश भी कहा जा सकता है और नेपाल में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत और चीन नेपाल के मामलों में हस्तक्षेप करते हैं।
   - स्वान द्वीप कनाडा और ग्रीनलैंड के बीच स्थित है, यह एक बफर जोन के रूप में कार्य करता है और दोनों देशों द्वारा विवादित है।

D) अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के प्रकार

1) पूर्ववर्ती सीमा :

- आधुनिक सांस्कृतिक परिदृश्य के विकास से पहले ही कुछ अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ थी इन सीमाओं को पूर्ववर्ती सीमाएँ कहते हैं।
- **उदाहरण :-** USA और कनाडा के बीच की सीमा
- **विशेषताएं :**
  - आमतौर पर नदियों, पहाड़ों या जल निकायों द्वारा चिह्नित की जाती है।
  - प्रायः कोई संघर्ष नहीं होता है
  - आमतौर पर समय के साथ नहीं बदलती है

2) परवर्ती सीमा :

- सांस्कृतिक परिदृश्यों (मानव बस्ती, और सामाजिक-सांस्कृतिक) के अस्तित्व के बाद अस्तित्व में आई सीमा।
- **उदाहरण :-**
  - भारत और पाकिस्तान के बीच की सीमाएँ और भारत और बांग्लादेश के बीच की सीमाएँ परवर्ती सीमाओं के उदाहरण हैं।
  - परवर्ती सीमा के पर बहुत विवाद मौजूद होता हैं।
- **विशेषताएं :**
  - यह धार्मिक, भाषाई, जातीय, सांस्कृतिक और राजनीतिक मतभेदों के आधार पर बनता है।
  - परवर्ती सीमा को उस रेखा पर चिह्नित किया जाता है जहां दो सांस्कृतिक परिदृश्यों का न्यूनतम प्रभाव होता है।

3) अध्यारोपण सीमा :

- ये सीमाएँ स्थानीय लोगों के राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन की उपेक्षा करती हैं
- **उदाहरण :-**
  - अफ्रीकी देशों की अधिकांश सीमा
  - उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच की सीमा।
  - भारत और पाकिस्तान के बीच की सीमा

4) अवशिस्ट सीमाएं :

- वह सीमा, जिसका वर्तमान सांस्कृतिक परिदृश्य में अब कोई महत्व नहीं है लेकिन फिर भी यह दिखाई देती है।
- **उदाहरण :-**
  - चीन की महान दीवार - चीन और मंगोलिया के बीच की सीमा थी।
  - बर्लिन पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी को अलग करता था।

5) ज्यामितीय सीमा :

- सांस्कृतिक परिदृश्य पर ध्यान दिए बिना ज्यामितीय सीमा को एक सीधी रेखा द्वारा चिह्नित किया जाता है।
- **उदाहरण :-**
  - संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच की सीमा।
  - उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच की सीमा।

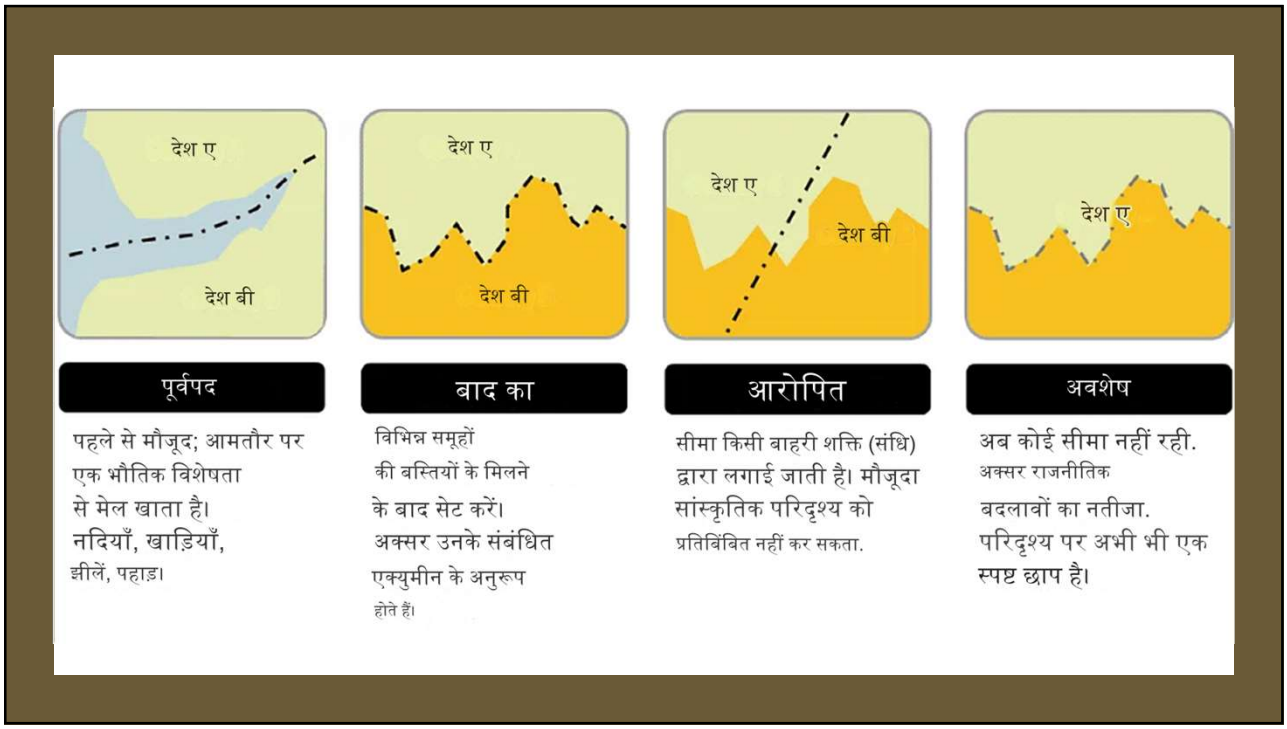

E) सरहद और सीमा के बीच अंतर

सीमा	सीमांत
कानून द्वारा समर्थित सीमाओं का एक अच्छी तरह से परिभाषित सीमांकन।	देशों की सीमा के बीच के भौगोलिक क्षेत्र जिन पर किसी भी देश का मजबूत नियंत्रण नहीं होता
सीमाएँ अधिकतर अंदर की ओर उन्मुख होती हैं और सरकार की इच्छानुसार बनाए रखी जाती हैं।	एक सीमा बाहर की ओर उन्मुख होती है, भौतिक रूप से जमीन पर मौजूद होती है, और इसे एक गतिशील इकाई माना जाता है।
निकट वर्तमान में सीमाएँ खींची जाती हैं।	सीमाएँ अतीत की घटना हैं।
आपसी बातचीत और आदान-प्रदान की कोई गुंजाइश नहीं होने के कारण हमेशा अलग होने के लिए एक सीमा खींची जाती है	सीमाएँ आपसी संपर्क और आदान-प्रदान की गुंजाइश प्रदान करती हैं।
सीमाएँ मूलतः राजनीतिक और अचल होती हैं।	चलायमान प्रकृति.
उदाहरण : भारत-भूटान सीमा	उदाहरण: पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत।

सीमांत	सीमा
1. प्राकृतिक	1. अधिकतर मानवजनित
2. क्षेत्रीय संकल्पना	2. रेखीय संकल्पना
3. सीमांत का कोई राजनीतिक विवाद नहीं है	3. सीमाएँ अक्सर प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रों द्वारा विवादित होती हैं
4. सीमांत में आमतौर पर पहाड़ी क्षेत्र, रेगिस्तान, दलदल आदि होते हैं, इसलिए यह रहने योग्य है	4. लेकिन सीमाओं का ऐसा कोई मानदंड नहीं है
5. सीमाएँ गतिशील हैं	5. सीमाएँ स्थिर होती हैं क्योंकि एक बार तय हो जाने के बाद वे शायद ही बदलती हैं

1.6) तटीय जल राशियां ||

A. कच्छ की खाड़ी ||
B. खंभात की खाड़ी ||
C. बैक बे (मुंबई) ||
D. माहिम खाड़ी (मुंबई) ||
E. अरब सागर ||
F. लक्षद्वीप सागर (लक्षद्वीप सागर) ||

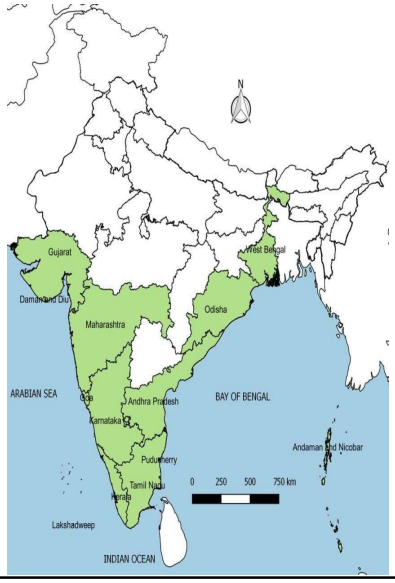

G. मन्नार की खाड़ी ||
H. पाक खाड़ी ||
I. रामसेतु (एडम का पुल) ||
J. सेतुसमुद्रम परियोजना ||
K. बंगाल की खाड़ी ||
L. हुकीटोला खाड़ी ||
M. अंडमान सागर ||

A) कच्छ की खाड़ी

1) अरब सागर की उत्तरपूर्वी भुजा, कच्छ के रण और काठियावाड़ प्रायद्वीप के बीच फैली हुई है।
2) यह एक उथला जल निकाय है।
3) इस क्षेत्र में ज्वारीय ऊर्जा की क्षमता है।
4) प्रमुख बंदरगाह :- कांडला, मुंद्रा, सलाया और चाखा।
5) भारत का पहला समुद्री वन्यजीव अभयारण्य और पहला समुद्री राष्ट्रीय उद्यान जो क्रमशः 1980 और 1982 में कच्छ की खाड़ी में बनाए गए थे।
6) लुप्तप्राय समुद्री स्तनपायी, डुगोंग (सीज़ काउ) का घर।
7) यह क्षेत्र मूंगों और मैंग्रोव से घिरा हुआ है। कुछ बेहतरीन मूंगा चट्टान किनारे वाले द्वीप पिरोटन, नाराला, अजाद और पोसिटारा में पाए जाते हैं।
8) एशिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी (जामनगर रिफाइनरी) इसी क्षेत्र में स्थित है।

B) कैम्बे की खाड़ी और खंभात की खाड़ी

1) यह भारत के अरब सागर तट पर गुजरात राज्य की सीमा से लगी एक खाड़ी है। खंभात की खाड़ी लगभग 200 किमी लंबी, उत्तर में लगभग 20 किमी चौड़ी और दक्षिण में 70 किमी तक चौड़ी है।
2) जल निकासी वाली प्रमुख नदियाँ **नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती** हैं जो मुहाना बनाती हैं।
3) **अपने चरम ज्वार के लिए जाना जाता है.**
   - इसमें 7000 मेगावाट ज्वारीय ऊर्जा की क्षमता है
   - गुजरात सरकार भारत का पहला ज्वारीय ऊर्जा संयंत्र विकसित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। (50 मेगावाट)
4) **अलंग शिपयार्ड :- समुद्री** बचाव उद्योग के लिए जाना जाता है, दुनिया भर में बचाए गए सभी जहाजों में से आधे का पुनर्चक्रण यहीं किया जाता है।
5) ऐतिहासिक बंदरगाह शहर :- भरूच, सूरत, खंभात, भावनगर और दमन।
6) खाड़ी उथली है और उथले तथा रेतीले तटों से भरपूर है।
7) यहां मैंग्रोव भी पाए जाते हैं, मुख्यतः पिराम द्वीप में।
8) **मलक्का और मल बैंक** भारत के गुजरात में खंभात की खाड़ी में रेत के टीले हैं।

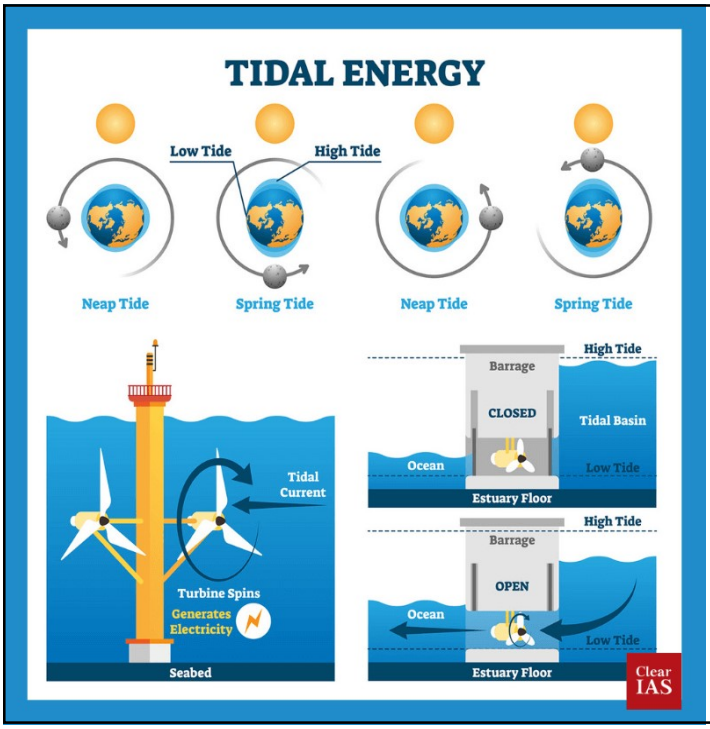

- भारत सरकार के अनुमान के अनुसार देश में **8000 मेगावाट** ज्वारीय ऊर्जा की क्षमता है।
- इसमें गुजरात में कैम्बे की खाड़ी में लगभग 7,000 मेगावाट, कच्छ की खाड़ी में 1200 मेगावाट और पश्चिम बंगाल के सुंदरबन क्षेत्र में गंगा के डेल्टा में 100 मेगावाट शामिल है।
- **दक्षिण कोरिया** में **सिहवा लेक** टाइडल पावर स्टेशन की सबसे बड़ी बिजली उत्पादन क्षमता 254 मेगावाट (मेगावाट) है।
- सबसे पुराना और दूसरा सबसे बड़ा परिचालन ज्वारीय ऊर्जा संयंत्र **ला रेंस, फ्रांस** में है।
- **ज्वारीय ऊर्जा :** यह नवीकरणीय ऊर्जा है जो समुद्री ज्वार और धाराओं के प्राकृतिक उत्थान और पतन से संचालित होती है।

C) बैक बे (मुंबई)

1) अरब सागर में मुंबई शहर के तट पर एक जलाशय।
2) बैक बे के तट में शामिल हैं - चौपाटी बीच, नरीमन पॉइंट, मरीन ड्राइव और नेताजी सुभाष चंद्र बोस पॉइंट (द क्वीन्स नेकलेस)

D) माहिम खाड़ी (मुंबई)

1) यह मुंबई शहर में अरब सागर का एक हिस्सा है। इसका नाम माहिम और सालसेट द्वीप के नाम पर रखा गया है।
2) 19वीं सदी की शुरुआत में इन दोनों द्वीपों का विलय कर दिया गया था। मीठी नदी माहिम क्रीक में गिरती है।
3) इसमें मछली पकड़ने वाली एक छोटी सी स्वदेशी आबादी रहती है जिसे कोलिस के नाम से जाना जाता है। बांद्रा-वर्ली परियोजना माहिम खाड़ी पर स्थित एक बड़ा बुनियादी ढांचा समुद्री लिंक है।

K VERSATIONS
SEVEN ISLAND TO MUMBAI CITY
IN THE EARLIEST MAP THAT WAS DOTTED, MUMBAI WAS ORIGINALLY AN ARCHIPELAGO OF SEVEN ISLANDS. THEY WERE BOMBAY ISLAND, PAREL, MAZAGAON, MAHIM, COLABA, WORLI, AND OLD WOMAN'S ISLAND (ALSO KNOWN AS LITTLE COLABA). THE ISLANDS WERE COALESCED INTO A SINGLE LANDMASS BY THE HORNBY VELLARD ENGINEERING PROJECT IN 1784.
AFTER THE HORNBY PROJECT, THE MAP PLOTTED A MORE UNIFIED LANDMASS WITH ONLY A FEW PARTS FLOATING ALONG THE COAST OF WHAT WAS NOW CALLED THE MUMBAI SUBURBS AND GREATER MUMBAI.
THIS IS THE CITY THAT WE HAVE KNOWN FOR AS LONG AS WE CAN REMEMBER. OVER THE YEARS, THE BOUNDARIES HAVE MERGED AND ONE CAN HARDLY BELIEVE THAT MUMBAI WAS ORIGINALLY SEVEN ISLANDS FLOATING IN THE ARABIAN SEA.

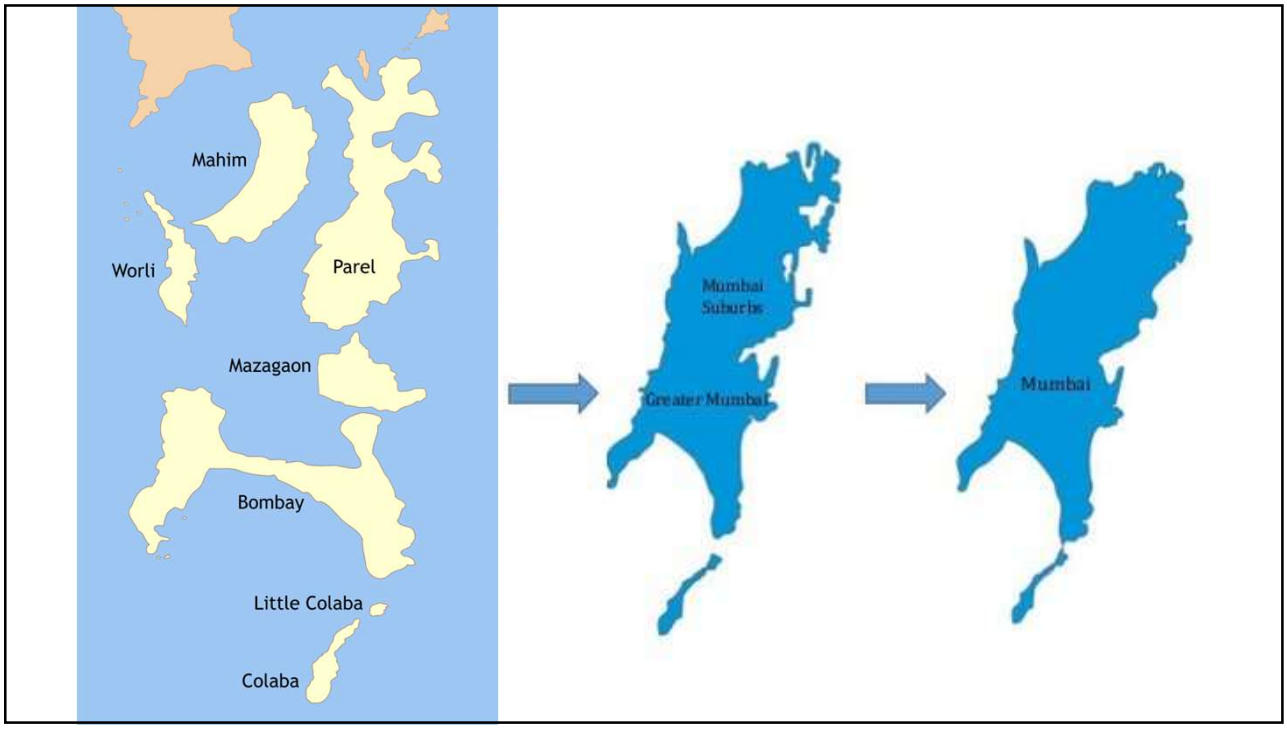
Mahim
Worli
Parel
Mazagaon
Bombay
Little Colaba
Colaba
Mumbai Suburbs
Greater Mumbai
Mumbai

E) अरब सागर

1) हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप और अरब प्रायद्वीप के बीच स्थित है।
2) इसकी सीमा यमन, ओमान, पाकिस्तान, ईरान, भारत और मालदीव से लगती है।
3) महत्वपूर्ण द्वीप :- लक्षद्वीप द्वीप (भारत), सोकोत्रा (यमन), मसीरा (ओमान), और एस्टोला द्वीप (पाकिस्तान)।
4) सिन्धु - अरब सागर में गिरने वाली सबसे बड़ी नदी।
5) अरब सागर की दो प्रमुख शाखाएँ हैं :
   - अदन की खाड़ी दक्षिण-पश्चिम में है, जो बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य के माध्यम से लाल सागर से जुड़ती है, और
   - उत्तर पश्चिम में ओमान की खाड़ी है, जो फारस की खाड़ी से जुड़ती है।
5) अरब सागर कई प्रमुख शिपिंग लेन के चौराहे पर स्थित है, जो इसे वैश्विक व्यापार और वाणिज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग बनाता है। समुद्र तेल और प्राकृतिक गैस संसाधनों से समृद्ध है और क्षेत्र के लिए ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
6) अरब सागर में चक्रवात गतिविधि में वृद्धि का समुद्र के बढ़ते तापमान और ग्लोबल वार्मिंग के तहत नमी की बढ़ती उपलब्धता से गहरा संबंध है।

F) लक्षद्वीप सागर (लक्षद्वीप सागर)

1) हिंद महासागर में भारत, मालदीव और श्रीलंका की सीमा से लगा हुआ एक जल निकाय।
2) यह कर्नाटक के दक्षिण-पश्चिम में, केरल के पश्चिम में और तमिलनाडु के दक्षिण में स्थित है।
3) इस गर्म समुद्र में साल भर पानी का तापमान स्थिर रहता है और यह समुद्री जीवन से समृद्ध है।
4) तट पर स्थित प्रमुख शहर:- मंगलुरु, कन्नूर, कोझिकोड, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, तूतीकोरिन, कोलंबो और माले

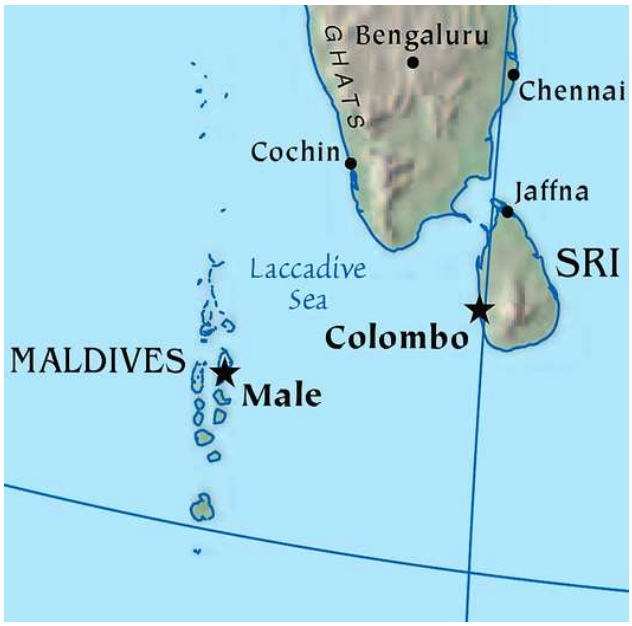

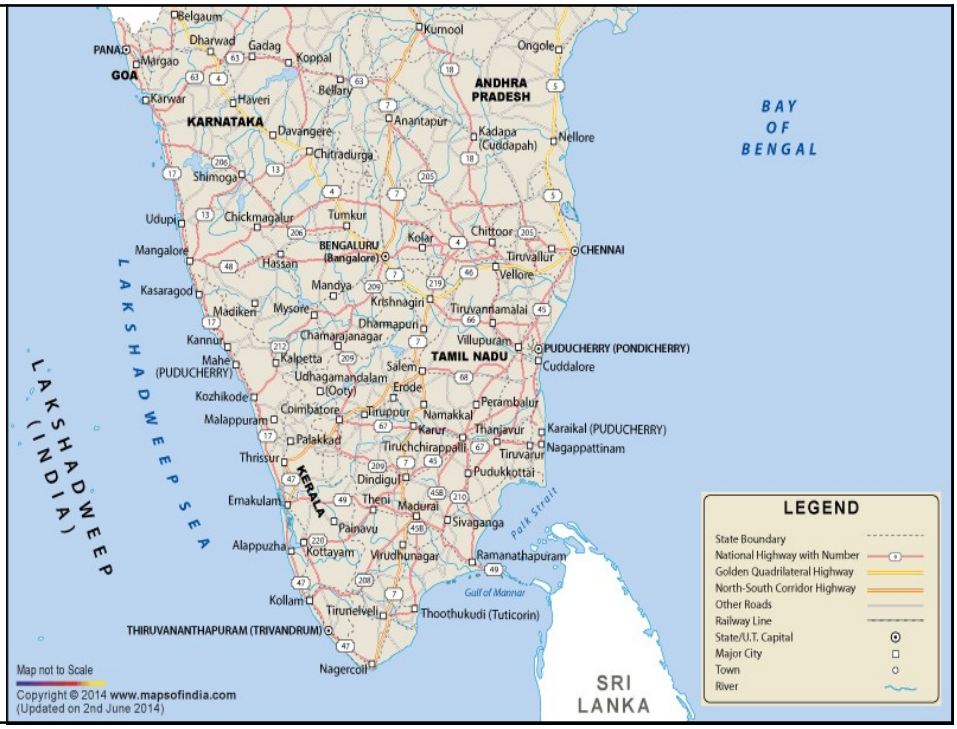

C) मन्नार की खाड़ी

1) यह दक्षिणपूर्वी भारत और पश्चिमी श्रीलंका के बीच हिंद महासागर का प्रवेश द्वार है।
2) यह उत्तर-पूर्व में रामेश्वरम, एडम ब्रिज और मन्नार द्वीप से घिरा है।
3) नदियों का मुहाना :- तंब्रपर्णी (भारत) और अरुवी (श्रीलंका)।
4) मोती बैंकों और पवित्र चैंक (एक गैस्ट्रोपॉड मोलस्क) के लिए प्रसिद्ध।
5) समुद्री राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना 1982 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत की गई थी।
6) प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र :- मूंगा चट्टानें, मैंग्रोव, मडफ्लैट्स, क्रीक, समुद्री घास और समुद्री शैवाल।
7) हाल ही में, लगभग दो दशक पहले व्यावसायिक खेती के लिए जानबूझकर लाई गई समुद्री शैवाल प्रजाति (कप्पाफाइकस अल्वारेज़ी) के कारण कुरुसादाई (तमिलनाडु) के पास मृत मूंगा चट्टानें देखी गईं।
8) इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने कप्पाफाइकस अल्वारेज़ी को दुनिया की 100 सबसे आक्रामक प्रजातियों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया है।
9) समुद्री शैवाल: समुद्री पौधों और शैवाल की एक विशाल विविधता जो नदियों, झीलों और पानी के अन्य निकायों में पाई जा सकती है।

(कप्पाफाइकस अल्वारेज़ी)

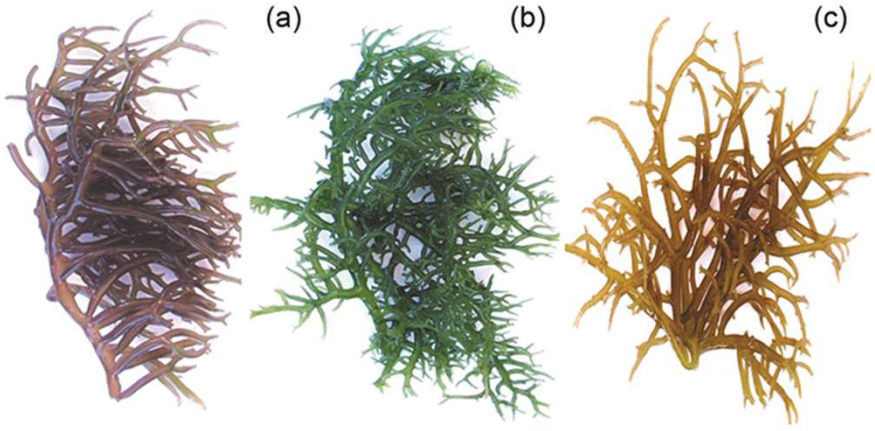

Fig. 1 — Three colour forms of *K. alvarezii*: (a) Brown, (b) Green, and (c) Pale Yellow

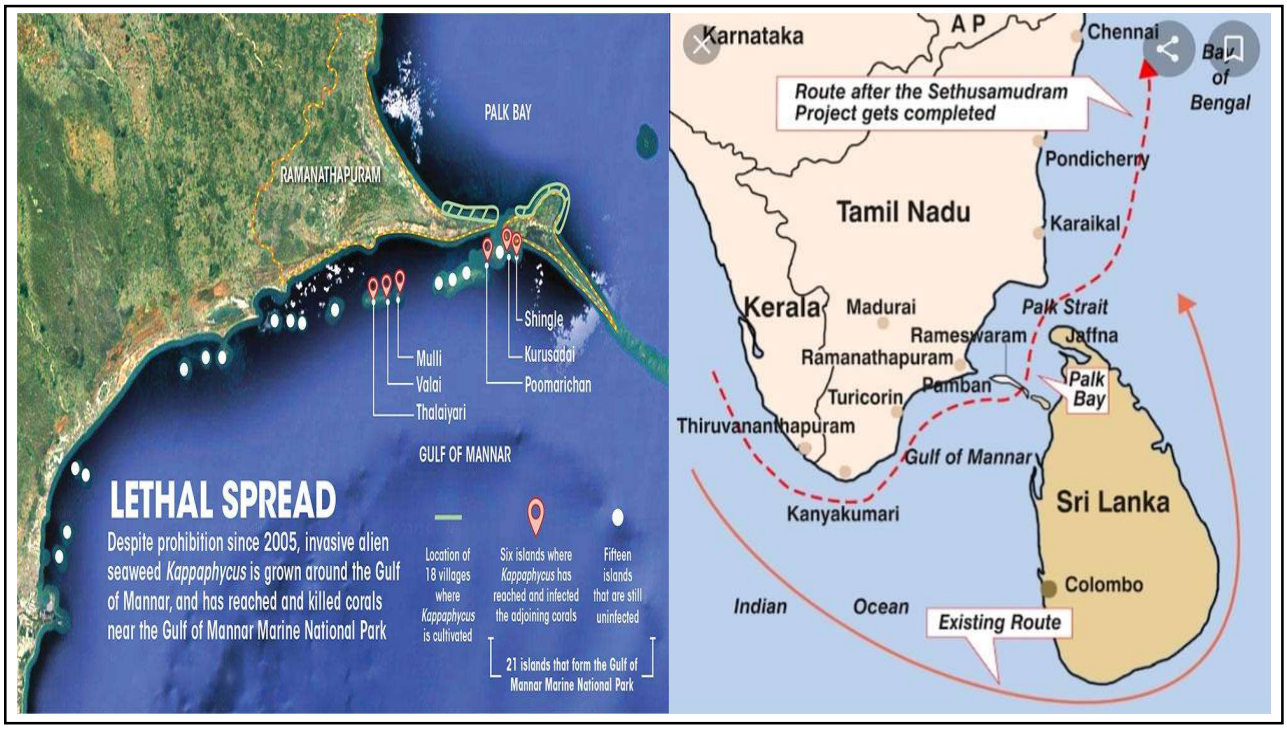
PALK BAY
RAMANATHAPURAM
Shingle
Kurusadai
Poomarichan
Mulli
Valai
Thalaiyari
GULF OF MANNAR
LETHAL SPREAD
Despite prohibition since 2005, invasive alien seaweed Kappaphycus is grown around the Gulf of Mannar, and has reached and killed corals near the Gulf of Mannar Marine National Park
Location of 18 villages where Kappaphycus is cultivated
Six islands where Kappaphycus has reached and infected the adjoining corals
Fifteen islands that are still uninfected
21 islands that form the Gulf of Mannar Marine National Park
Karnataka
A P
Chennai
Bay of Bengal
Route after the Sethusamudram Project gets completed
Pondicherry
Tamil Nadu
Karaikal
Kerala
Madurai
Palk Strait
Rameswaram
Jaffna
Ramanathapuram
Pamban
Palk Bay
Turicorin
Thiruvananthapuram
Gulf of Mannar
Sri Lanka
Kanyakumari
Colombo
Indian
Ocean
Existing Route

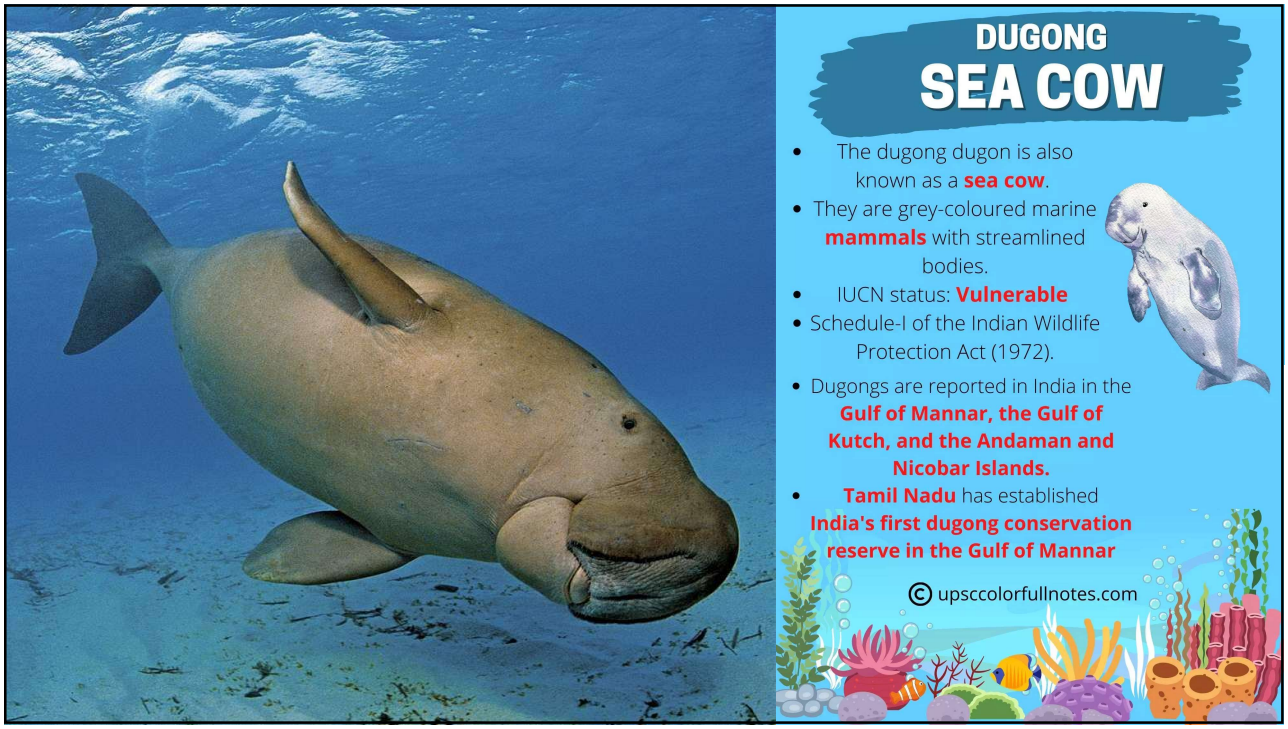
DUGONG
SEA COW
The dugong dugon is also known as a sea cow.
They are grey-coloured marine mammals with streamlined bodies.
IUCN status: Vulnerable
Schedule-I of the Indian Wildlife Protection Act (1972).
Dugongs are reported in India in the Gulf of Mannar, the Gulf of Kutch, and the Andaman and Nicobar Islands.
Tamil Nadu has established India's first dugong conservation reserve in the Gulf of Mannar
© upsccolorfullnotes.com

H) पाक खाड़ी

1) भारत और श्रीलंका के बीच एक अर्ध-संलग्न उथला जल निकाय।
2) पाक खाड़ी का उत्तर-पूर्वी क्षेत्र उथले पाक जलडमरूमध्य के माध्यम से बंगाल की खाड़ी के संपर्क में है, जिससे समुद्री लहरें प्रवेश कर पाती हैं। दक्षिण में, एडम ब्रिज पाक खाड़ी को मन्नार की खाड़ी से अलग करता है।
3) तमिलनाडु की वैगई नदी का मुहाना।
4) यह अपने मूंगा निर्माण और महान समुद्री विविधता के लिए जाना जाता है।
5) पाक जलडमरूमध्य :-
   - बंगाल की खाड़ी को पाक खाड़ी से जोड़ता है
   - अलग - तमिलनाडु (भारत) और जाफना (श्रीलंका)।

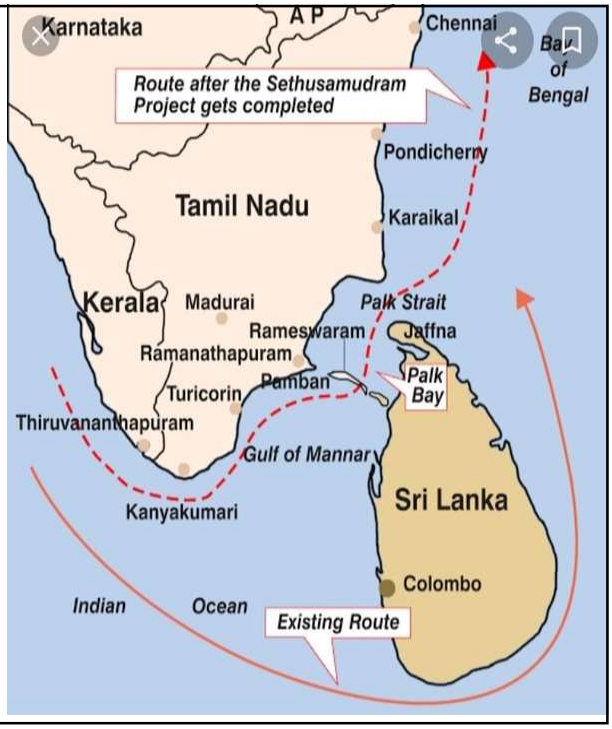

I) रामसेतु (एडम का पुल)

1) पम्बन द्वीप (तमिलनाडु) और मन्नार द्वीप (श्रीलंका) के बीच चूना पत्थर की चट्टानों की 48 किमी लंबी श्रृंखला।
2) इस पुल का उल्लेख हिंदू महाकाव्य रामायण में मिलता है और माना जाता है कि इसका निर्माण भगवान राम ने सीता को बचाने के लिए श्रीलंका पहुंचने के लिए किया था।
3) इस्लामिक किंवदंती के अनुसार, एडम ने श्रीलंका में एडम्स पीक तक पहुंचने के लिए इस पुल का इस्तेमाल किया था।
4) सेतुसमुद्रम शिपिंग नहर परियोजना का लक्ष्य 83 किलोमीटर लंबे गहरे जल चैनल का निर्माण करके भारत और श्रीलंका के बीच एक शिपिंग मार्ग बनाना है।
5) सेतुसमुद्रम परियोजना का पर्यावरण के आधार पर विरोध किया गया है।

J) सेतुसमुद्रम परियोजना

1) परिचय :-

- परियोजना का लक्ष्य पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी के उथले पानी के माध्यम से एक शिपिंग नहर का निर्माण करना है, जिससे भारत के श्रीलंका के बीच जहाजों की यात्रा के लिए आवश्यक दूरी और समय कम हो जाएगा। परियोजना के सफल समापन से यात्रा में लगभग 350 समुद्री मील की कटौती होने की उम्मीद है और नौकायन समय में 10 से 30 घंटे की बचत होगी।
- पुल के किनारे समुद्र की गहराई 3 फीट से 30 फीट के बीच है, जिससे इस क्षेत्र में समुद्र में चलने योग्य जहाजों द्वारा नेविगेशन असंभव हो जाता है।
- वर्तमान में, भारत के पूर्वी तट की ओर जाने वाले जहाजों को तूतीकोरिन, चेन्नई, विजाग, पारादीप और अन्य बंदरगाहों तक पहुंचने के लिए श्रीलंका के पूरे द्वीप का चक्कर लगाना पड़ता है।

2) चुनौतियां :-

- उच्च ऊर्जा तरंगें तलछट ला सकती हैं
- लहरें खाड़ी में उत्तर और दक्षिण से प्रवेश करती हैं, जो कि चैनल के संरेखित होने के अनुरूप होती है।
- चक्रवाती तूफानों की उच्च आवृत्ति: 1964 में एक चक्रवात इतना शक्तिशाली था कि इसने धनुषकोडी शहर को मिटा दिया।
- खोदी गई सामग्री को डंप करने से समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो सकता है
- जहाजों द्वारा वायु एवं जल प्रदूषण
- महत्वपूर्ण राम सेतु की धार्मिक मान्यता: जबकि पर्यावरण समूह इस परियोजना के खिलाफ भारी पर्यावरणीय लागत का विरोध कर रहे हैं, धार्मिक समूह इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि संरचना, जिसका उल्लेख रामायण में किया गया है, धार्मिक महत्व की है।

सिंधु साधना एक स्वदेशी अन्वेषण पोत है जो 45 दिनों तक पानी के भीतर रह सकता है।

K) बंगाल की खाड़ी

1) यह हिंद महासागर का पूर्वोत्तर भाग है, जो भारत, बांग्लादेश और म्यांमार से घिरा है।
2) अंडमान और निकोबार का केंद्र शासित प्रदेश बंगाल की खाड़ी में स्थित है।
3) गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी के डेल्टा।
4) महत्त्व :-
   - बंगाल की खाड़ी की दक्षिणपूर्वी हवाओं से नियमित मानसून।
   - खाड़ी का उपजाऊ डेल्टा क्षेत्र फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करता है,
   - यह क्षेत्र मछली, झींगा और केकड़े की खेती सहित अपनी विविध जलीय कृषि के लिए भी जाना जाता है।
   - यह दुनिया की सबसे बड़ी गर्म पानी की खाड़ी में से एक है और इसका पानी क्षेत्र के मौसम पैटर्न और मानसून परिसंचरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
   - तट पर और उसके बाहर विभिन्न प्रकार की प्रजातियों का घर - समुद्री स्तनधारी (डॉल्फ़िन, व्हेल और डुगोंग), मैंग्रोव वन, मूंगा चट्टानें आदि।
   - इस मार्ग का उपयोग पूर्व, दक्षिणपूर्व और एशिया प्रशांत के साथ सभी समुद्री व्यापार के लिए किया जाता है।

L) हुकीटोला खाड़ी

1) यह महानदी नदी डेल्टा के उत्तर में ओडिशा राज्य में स्थित है।
2) हुकिटोला द्वीप इस खाड़ी पर स्थित मुख्य आकर्षण है। इस द्वीप का निर्माण गाद जमाव से हुआ था।

M) अंडमान सागर

1) हिंद महासागर का एक सीमांत समुद्र, जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और मलय प्रायद्वीप के बीच स्थित है।
2) इसके सबसे दक्षिणी छोर को ब्रुएह द्वीप कहा जाता है।
3) इरावदी नदी का मुहाना.
4) समुद्र का उपयोग मत्स्य पालन, परिवहन और प्रवाल भित्ति द्वीपों के लिए किया जाता रहा है

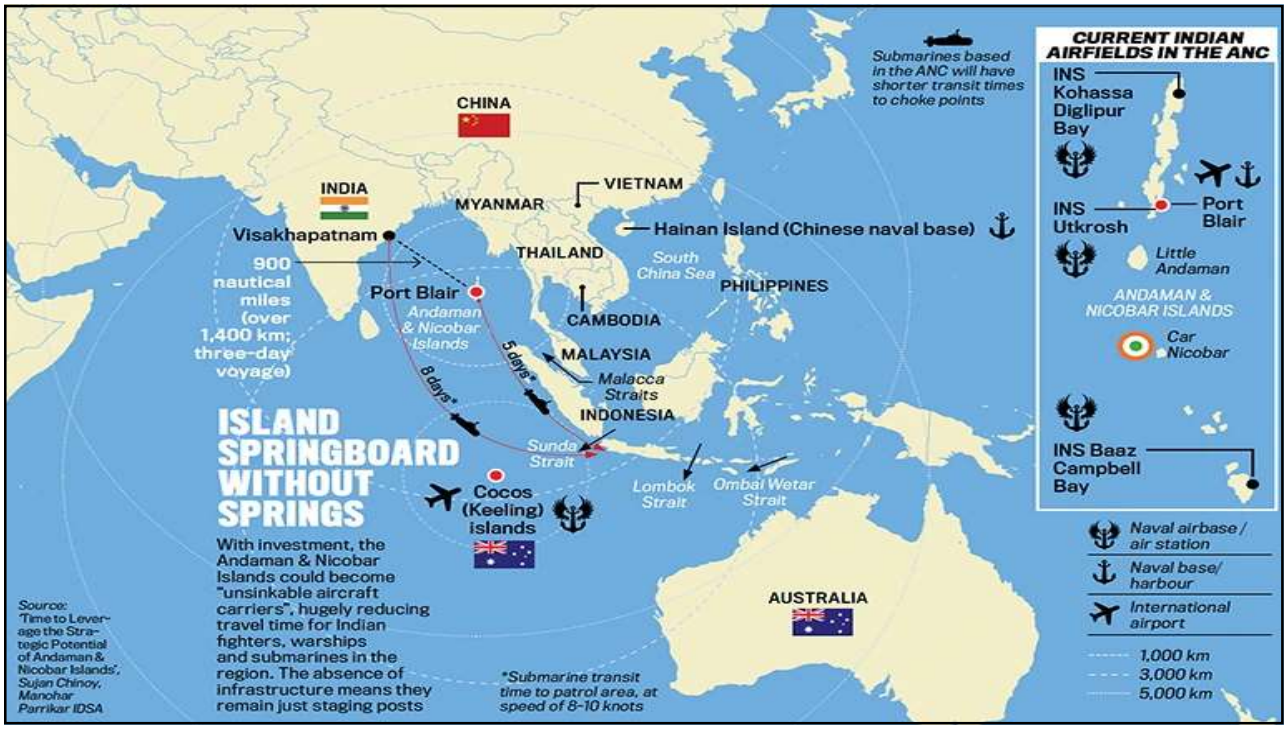

संभावित तथा पिछले वर्षों के प्रश्न ||

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1) सर क्रीक क्या है? ||
2) कर्क रेखा भारत के किन राज्यों से होकर गुजरती है? ||
3) भारत और इंडिया नाम की उत्पत्ति को समझाइए। ||
4) भारत के अक्षांशीय तथा देशांतरीय विस्तार का वर्णन करें। ||
5) मन्नार की खाड़ी ||
6) भारत की मानक समय रेखा कितने राज्यों से होकर गुजरती है? ||
7) डेलाइट सेविंग टाइम ||
8) बागान समय ||
9) सर्कैडियन रिदम ||
10) भारत के कितने केंद्र शासित प्रदेश हैं, जो की समुद्र से सीमा साझा करते हैं? ||
11) सर्वाधिक समुद्र सीमा साझा करने वाले 3 भारतीय राज्यों के नाम बताएं। ||
12) कच्छ की खाड़ी ||

13) क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के तीन सबसे बड़े केंद्र शासित प्रदेश कौन से हैं? ||
14) क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के तीन सबसे छोटा राज्य कौन से हैं? ||
15) अध्यारोपित सीमा क्या होती है? ||
16) क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के चार सबसे बड़े राज्य कौन से हैं? || अनन्य आर्थिक क्षेत्र || प्रादेशिक जल क्षेत्र ||
17) राम सेतु ||
18) खंभात की खाड़ी ||
19) बंगाल की खाड़ी ||
20) न्यू मूर द्वीप ||
23) 8, 9 तथा 10 डिग्री चैनल ||
24) भारत भौगोलिक रूप से किस क्षेत्र का हिस्सा रहा है? ||
25) भौगोलिक सीमा को तीन उदाहरण दें। ||
26) भारत के कितने राज्यों की सीमाएं पाकिस्तान से लगते हैं? ||
27) सुंदरवन डेल्टा। ||
28) तीस्ता नदी। ||
29) फरक्का बैराज ||
30) मैकमोहन रेखा ||
31) रेडक्लिफ रेखा ||
32) कलादान परियोजना ||

33) कच्छ का रण ||
34) सिंधु जल समझौता ||
35) सियाचिन ग्लेशियर ||

लघु उत्तरीय प्रश्न

भारत की भौगोलिक स्थिति के लाभ बताइए। ||

1) भारत ने 82.5 डिग्री के पूर्वी देशांतर को मानक रेखा क्यों बनाया? बताएं ||
2) क्या भारत को डेलाइट सेविंग टाइम को अपनाना चाहिए? ||
3) भारत में दो मानक समय रेखा की मांग क्यों की जा रही है? समझाए ||
4) संयुक्त राष्ट्र की संधि के अनुसार जलीय क्षेत्र के विभाजन को समझाएं। ||